

बीजेपी विधानसभा चुनाव में.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल... 11

वर्ष - 02, अंक - 221 | गाजियाबाद / शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

केजरीवाल को लॉरेंस गैंग से मिली धमकी फर्जी

- पंजाब पुलिस का दावा-हरियाणा के कॉलर ने धमकाया

मोहाली (एजेंसी)। दिल्ली में तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह ने पुलिस को शिकायत दी है कि लॉरेंस गैंग ने अरविंद केजरीवाल से 7 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताने वाले एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके फोन और वॉट्सऐप मैसेज के जरिए यह धमकी दी है। दिल्ली के तिलक नगर से एएपी विधायक जरनैल सिंह ने कहा- 6 नवंबर 2026 को शाम करीब 6 बजे उनके निजी मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल और वॉट्सऐप मैसेज आया। वॉट्सऐप प्रोफाइल पर नाम प्रदर्शित हो रहा था। आरोपी ने मैसेज में लिखा, लॉरेंस गैंग से हूं, अरविंद केजरीवाल को बोल दे 7 करोड़ दे दो नहीं तो अरविंद केजरीवाल और उसकी बेटी हर्षिता केजरीवाल को जान से मार दूंगा। उनकी शिकायत पर मोहाली के साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज हुआ है। हालांकि, न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि इन्वेस्टिगेशन में यह धमकी फर्जी पाई गई है।



घर में सोना कहां से आया महिलाओं को बताना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-500 ग्राम की लिमिट बताकर बच नहीं सकतीं

सर्वोच्च न्यायालय बोला-छापे के दौरान अधिकारियों को सोर्स बताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कई सालों से यह नियम चला आ रहा है कि अगर आयकर विभाग की छापेमारी हो, तो शादीशुदा महिला के पास 500 ग्राम तक सोना होने पर अधिकारी उसे जब्त नहीं कर सकते।

इसी नियम का फायदा उठाकर कई लोग मान लेते थे कि 500 ग्राम तक सोना रखने पर किसी को कोई जवाब नहीं देना होगा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अब एक बड़ा स्पष्टीकरण दिया है। जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने कहा- सोना जब्त न होना और उसका मालिक होना दो अलग बातें हैं। यह फैसला बिहार की एक पूर्व अफसर के मामले में आया, जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप था। उन्होंने 500 ग्राम सोना होने का हवाला देकर



बचने की कोशिश की थी। बिहार की पूर्व बाल विकास परियोजना पदाधिकारी फूलपरी कुमारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला था। 2015 में बिहार विजिलेंस ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच में उनके पास 646.400 ग्राम सोने के आभूषण मिले। उन्होंने दलील दी कि शादीशुदा महिला के लिए 500 ग्राम और अविवाहित बेटी के लिए 250 ग्राम सोना जब्ती से सुरक्षित है। पटना हाईकोर्ट ने मई 2026 में उनके खिलाफ कार्यवाही रद्द कर दी थी। बिहार सरकार ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। अब जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस अरुण पल्ली की बेंच ने हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया और उनके खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही बहाल कर दी।

बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति का दावेदार नहीं

सुप्रीम कोर्ट बोला-वारिसों में बंटवारे के बाद पिता का हिस्सा निजी संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगर दादा की संपत्ति उनके कानूनी वारिसों में बंट



चुकी है, तो पोता जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने 1997 में एक नाबालिग पोते की तरफ से दायर बंटवारे का मुकदमा खारिज कर दिया। फैसला 6 नवंबर को सुनाया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई। मामला चेन्नई के 1,811 स्क्वायर फीट के एक मकान/प्लॉट का था। पोते का दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में कोपार्सनरी हक मिला है, इसलिए उसे भी हिस्सा मिलना चाहिए। यह मुकदमा नाबालिग पोते की ओर से दायर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट बोला- ऐसा नहीं होगा, क्योंकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत पिता को मिला हिस्सा पहले ही उसकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। 1811 स्क्वायर फीट की यह संपत्ति चेन्नई में थी। मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की बेटी (पोते की बुआ) ने 1993 में बंटवारे का मुकदमा किया। फरवरी 1994 में समझौते से बंटवारा हो गया।

हरिद्वार में आधुनिक कामधेनुलोक गौशाला का लोकार्पण, 16 हजार निराश्रित गोवंश को मिल रहा संरक्षण : पुष्कर सिंह धामी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सप्तऋषि स्थित कामधेनुलोक भवन में आधुनिक कामधेनुलोक गौशाला का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न अंग होने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। कामधेनुलोक जैसी पहल गौसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में अनुकरणीय साबित होगी। उन्होंने श्री कृष्णायन देसी गौरक्षाशाला द्वारा गौसेवा और मानव सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने बताया कि संस्था ने वर्ष 2010 में मात्र 11 गोवंश के संरक्षण से अपनी सेवा यात्रा शुरू की थी, जो आज पांच राज्यों में 15 से अधिक गौशालाओं के माध्यम से 35 हजार से अधिक गोवंश की सेवा तक पहुंच चुकी है। हरिद्वार में भी हजारों निराश्रित, घायल, वृद्ध और बीमार गोवंश को आजीवन संरक्षण दिया जा रहा है। संस्था की पांच विशेष गौसेवा एंबुलेंस अब तक पांच हजार से अधिक गोवंश को बचाकर सुरक्षित



आश्रय तक पहुंचा चुकी हैं। संस्था प्रतिदिन 1500 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराने के साथ जरूरतमंद परिवारों को राशन और चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध करा रही है। धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार गौशालाओं के आधुनिकीकरण, देसी नस्लों के संरक्षण और गौ आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्तमान में उत्तराखंड के 72 पंजीकृत और नौ अनुबंधित गोसदनों में 16 हजार से अधिक निराश्रित गोवंश को आश्रय दिया जा रहा है। ग्राम्य गोसेवक योजना भी प्रायोगिक रूप से शुरू की गई है। इसके अलावा शहरी विकास और पंचायती राज विभाग के सहयोग से प्रदेश में 63 स्थानों पर गौशाला निर्माण के लिए भूमि चिह्नित की गई है। चमोली जनपद में बद्री गाय के घी और दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन विकास केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौसंरक्षण को प्राकृतिक खेती, जैविक खाद और बायोगैस उत्पादन से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। यह केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गोवंश के प्रति क्रूरता और गौहत्या जैसी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की प्रतिबद्धता भी जताई। उन्होंने वर्ष 2027 में हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले की तैयारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सड़क, पुल, संपर्क मार्ग, यातायात, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आधुनिक भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक प्रेमचंद अग्रवाल और प्रीतम सिंह पंवार, महामंडलेश्वर स्वामी ईश्वरदास महाराज, स्वामी आत्मानंद महाराज, स्वामी सच्चिदानंद साक्षी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वर दास महाराज, स्वामी संजय महंत, हरिद्वार की महापौर किरण जैसल, रुड़की की महापौर अनीता अग्रवाल, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार सहित अनेक संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जेवर में सीएनएच के आधुनिक ट्रैक्टर प्लांट की आधारशिला, 1200 करोड़ के निवेश से सृजित होंगे रोजगार





ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश और आधुनिक विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से गौतमबुद्धनगर के यीडा सेक्टर-08 में सीएनएच ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लगभग 1200 करोड़ रुपये के निवेश से 100 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाले सीएनएच के आधुनिक ट्रैक्टर विनिर्माण प्लांट की आधारशिला रखी। इस परियोजना से 1200 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने के साथ-साथ अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति और कानून-व्यवस्था ने प्रदेश को निवेश का प्रमुख केंद्र बना दिया है। जेवर आज भारत के 'गहने' के रूप में निवेश का सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बन चुका है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के विकास से यह पूरा क्षेत्र एक बड़े औद्योगिक, आर्थिक और लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य उपद्रव से निकलकर 'उत्सव प्रदेश' बन चुका है और देश की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और स्पष्ट नीतियों के कारण आज उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं, कृषि एवं कृषि शिक्षा राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि सीएनएच की इस इकाई की स्थापना से उद्योग, व्यवसाय और किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

यीडा क्षेत्र में स्थापित होने जा रही इस परियोजना के तहत सीएनएच इंडस्ट्रियल द्वारा 100 एकड़ भूमि पर आधुनिक विनिर्माण इकाई तैयार की जाएगी। भारत के ट्रैक्टर बाजार में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी साढ़े अठारह प्रतिशत है, ऐसे में इस प्लांट से कृषि मशीनरी और ट्रैक्टर निर्माण क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद्र शर्मा, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक कुमार, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद, सीएनएच की चेयरपर्सन लेडी सुजेन हेवुड, सीईओ गैरेट मार्क्स, प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर नरेंद्र मित्तल, यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह, निदेशक रवि कुंद्रा सहित कई गणमान्य लोग और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।



Greater Noida

Where Your Business Vision Finds its Ground

Yogi Adityanath
Chief Minister, Uttar Pradesh

Nand Gopal Gupta 'Nandi'
Minister of Industrial Development
Uttar Pradesh

Jaswant Saini
Minister of State for Industrial Development
Uttar Pradesh

THROUGH E-AUCTION/ ON-LINE BIDDING SCHEME



SCHEME CODE-CSK-1/2026-27

SALIENT FEATURES

• Proximity to Noida International Airport • Easy access to Eastern & Western Dedicated Freight Corridors
Best planned city in NCR • Expressways providing excellent multi-city connectivity • Residential Sectors, Commercial Sectors, Educational Institutions in the vicinity • World-class civic amenities

Greater Noida announces e-Auction for the allotment of Commercial Shops/Offices & Kiosks, as per terms and conditions prescribed in the on-line brochures.

How to participate/other details: Interested parties will need to sign up and obtain user ID and password on the portal **https://gnida.etender.sbi** as well as deposit Documents, Processing Fee (Participation Fee) & EMD separately through online payments as per date mentioned in the online brochure.

The brochure containing details of Shops/Offices & Kiosks, procedure, terms & conditions of e-Auction is available on our website www.greaternoidaauthority.in and the web portal **https://gnida.etender.sbi**

It will be the sole responsibility of the bidder/participant to obtain a compatible computer terminal with Internet connection to enable him/her to participate in the e-Auction process.

The e-bidding process for any reasons thereof, Authority reserves the right to withdraw any or all the sites from the e-auction at any stage or accept/reject any or all the bids or cancel/postpone the e-auction without any reason.

COMMERCIAL SHOPS / OFFICES

Sl. No.	Shop/Office Number	Area (Sq. mtr)	Sector	Total Reserve Price (Rs.)
1	5 GF	19.92	Gamma-I (Kadamba Estate)	3,998,741/-
2	17 GF	19.92	Gamma-I (Kadamba Estate)	3,998,741/-
3	40 GF	19.92	Gamma-I (Kadamba Estate)	3,998,741/-
4	41 GF	19.92	Gamma-I (Kadamba Estate)	3,998,741/-
5	3 GF	10.43	Ecotech-II (B.M. Market)	1,479,808/-
6	28 GF	87.97	Ecotech-II (B.M. Market)	10,852,859/-
7	29 GF	87.97	Ecotech-II (B.M. Market)	13,023,959/-
8	36 GF	19.77	Ecotech-II (B.M. Market)	2,439,025/-
9	4 GF	22.26	Tau (Swarn Nagari)	5,501,336/-
10	22 GF	22.09	Tau (Swarn Nagari)	4,747,362/-
11	25 GF	44.18	Tau (Swarn Nagari)	10,918,645/-
12	1 GF	24.22	Delta-I	6,641,051/-
13	7 GF	23.37	Delta-I	8,010,044/-
14	15 GF	23.94	Delta-I	8,205,411/-
15	18 GF	23.90	Delta-I	6,553,308/-
16	1 GF	23.00	Delta-II	5,407,530/-
17	15 GF	12.51	Delta-II	2,941,226/-
18	27 GF	51.50	Delta-II	12,634,495/-
19	28 FF	19.98	Delta-II	3,037,360/-
20	29 FF	20.48	Delta-II	3,113,370/-
21	33 FF	20.70	Delta-II	3,146,814/-
22	36 FF	22.50	Delta-II	3,420,450/-
23	46 FF	16.52	Delta-II	2,511,370/-

Sl. No.	Shop/Office Number	Area (Sq. mtr)	Sector	Total Reserve Price (Rs.)
24	52 FF	11.85	Delta-II	1,566,452/-
25	54 FF	51.55	Delta-II	8,177,377/-
26	S-4 GF	27.25	Bus Depot Kasna	3,353,113/-
27	S-8 GF	27.25	Bus Depot Kasna	3,353,113/-
28	B-3 GF	19.18	Beta-II	6,210,100/-
29	14 GF	16.37	Omega-I (Builder Area-P-2)	1,580,196/-
30	Office No-4 FF	50.20	Beta-II (Shopping Centre)	23,006,158/-
31	Office No-5 FF	50.20	Beta-II (Shopping Centre)	23,006,158/-
32	Office No-1 FF	36.22	Gamma-II	5,402,285/-
33	Office No-2 FF	50.31	Gamma-II	7,503,837/-
34	Office No-3 FF	50.31	Gamma-II	7,503,837/-
35	Office No-5 FF	48.41	Gamma-II	7,220,448/-
36	Office No-6 FF	50.31	Gamma-II	7,503,837/-
37	Office No-7 FF	50.31	Gamma-II	7,503,837/-
38	Office No-8 FF	36.22	Gamma-II	5,402,285/-
39	Office No-9 FF	35.34	Gamma-II	5,271,032/-
40	Office No-10 FF	74.36	Gamma-II	11,090,943/-
41	Office No-14 FF	54.37	Gamma-II	8,109,394/-
42	Office No-15 FF	36.12	Gamma-II	5,387,370/-
43	Office No-16 FF	36.12	Gamma-II	5,387,370/-
44	Office No-17 FF	74.36	Gamma-II	11,090,943/-
45	Office No-18 FF	35.75	Gamma-II	5,332,184/-

KIOSKS

Sl. No.	Kiosk Number	Area (Sq. mtr)	Sector	Total Reserve Price (Rs.)
1	KK-4	7.02	Ecotech-2 (Village Kuleshra)	756,880/-
2	TCK-3	7.02	Ecotech-3, U.K.-1	804,380/-
3	GB1K-3	7.02	Gamma-I	5,80,871/-
4	OM2AKI-C	7.02	Omicron-II	8,40,030/-
5	OM2BKI-B	9.38	Omicron-II	11,22,430/-
6	OM2CKI-C	7.02	Omicron-II	8,40,030 /-

Sl. No.	Kiosk Number	Area (Sq. mtr)	Sector	Total Reserve Price (Rs.)
7	OM3AKI-B	9.38	Omicron-III	11,22,430/-
8	KPK-1	7.50	Opp. IEC Collage	8,51,580/-
9	KPK-3	7.50	Opp. IEC Collage	8,51,580/-
10	AIK-2	9.50	Alpha-II	8,50,456/-
11	RB1K-3	7.02	RHO-II	5,71,625/-

BROCHURE DOWNLOAD & START & TIME: 05.11.2026 | 3:00 PM
REGISTRATION END DATE & TIME: 27.11.2026 | 5:00 PM
LAST DATE OF REGISTRATION, EMD PROCESSING FEE DEPOSIT: 30.11.2026 | 5:00 PM
LAST DATE OF FINAL SUBMISSION OF DOCUMENTS: 03.12.2026 | 5:00 PM
E-AUCTION DATE & TIME TO BE NOTIFIED SEPARATELY

For corrigendum/addendum, please refer to website www.greaternoidaauthority.in

Greater Noida Industrial Development Authority
Plot No. 01, Knowledge Park-04, Greater Noida - 201308,
Distt.-Gautam Budh Nagar (U.P.) Helpline Center No. : 0120-2336047, 2336048, 2336049, Ph.:-0120-2336030-33,
Email: authority@gnida.in I Website: www.greaternoidaauthority.in

Follow us on /OfficialGNIDA

GREATER NOIDA CITY
Planned with an obsession.

मणिपुर में सुरक्षाबलों ने हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा किया बरामद

- इसमें रॉकेट, चीन में बने चार मोर्टार और छह इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक बड़े ऑपरेशन के दौरान हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया है। इसमें करीब 10 फीट लंबा रॉकेट, चीन में बने चार मोर्टार और छह इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई बुधवार को कांगवई सब-डिवीजन के पी जेलजांग गांव के आसपास जंगल में की गई। खुफिया जानकारी मिलने के बाद जिला पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान जंगल में छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक मिले। पुलिस के मुताबिक तलाशी में चार 82 एमएम के मोर्टार मिले, जो चीन में बने हैं। इसके अलावा पांच चीनी ग्रेनेड, एक सीएमजी, एक पिस्टल और दो सिंगल बैरल राइफल भी बरामद की गईं। सुरक्षाबलों को अलग-अलग क्षमता के कुल 30 मोर्टार बम भी मिले। इनमें 82एमएम और 51 एमएम के बम शामिल हैं। इसके साथ ही 5.6एमएम के पांच कारतूस भी बरामद किए गए। इतनी बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के लिए इनके स्रोत और इस्तेमाल की जांच में जुटी हैं।

धान कटाई सीजन में अब तक पंजाब में पराली जलाने की 5,517 घटनाएं दर्ज

- प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 85.90 लाख का पर्यावरण जुर्माना लगाया

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में धान की कटाई के साथ ही पराली जलाने की घटनाएं एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगी हैं। 11 नवंबर को राज्य में पराली जलाने के 515 नए मामले सामने आए। इससे पहले 10 नवंबर को 345 घटनाएं दर्ज की गई थीं यानी एक ही दिन में पराली जलाने के मामलों में 170 की बढ़ोतरी हुई। 15 सितंबर से शुरू हुए मौजूदा धान कटाई सीजन में अब तक पंजाब में पराली जलाने की कुल 5,517 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। पिछले साल के मुकाबले इस बार पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। 11 नवंबर 2025 तक राज्य में 4,507 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल इसी अवधि में यह आंकड़ा बढ़कर 5,517 हो गया है यानी पिछले साल की तुलना में इस बार 1,010 ज्यादा घटनाएं सामने आई हैं. जोकि बेहद चिंताजनक है। पराली जलाने के मामलों में पंजाब के पांच जिले सबसे आगे हैं। फिरोजपुर 728 घटनाओं के साथ पहले स्थान पर है। तरनतारन में 687, संगरूर में 628, बठिंडा में 499 और पटियाला में 374 मामले दर्ज किए गए हैं। इन पांच जिलों में ही राज्य में पराली जलाने की कुल घटनाओं का आधे से ज्यादा हिस्सा सामने आया है. ये जिले इस सीजन में पराली जलाने के प्रमुख हॉटस्पॉट बने हुए हैं।

सोलापुर हवाई अड्डे पर ट्रेनिंग विमान की हार्ड लैंडिंग, रनवे पर फंसा विमान, महिला पायलट सुरक्षित

सोलापुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर हवाई अड्डे पर गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। पायलट प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे एक छोटे विमान की रनवे पर अचानक हार्ड लैंडिंग हो गई। लैंडिंग इतनी जोरदार थी कि विमान असंतुलित होकर रनवे पर ही एक तरफ झुक गया और वहीं फंस गया। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। विमान उड़ा रही महिला प्रशिक्षु पायलट पूरी तरह सुरक्षित बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेडबर्ड एविएशन ट्रेनिंग अकादमी में पायलट का प्रशिक्षण ले रही एक महिला प्रशिक्षु गुरुवार को अपनी सोलो क्रॉस कंट्री उड़ान पर थी। यह एक लंबी दूरी की उड़ान थी, जिसमें प्रशिक्षु पायलट अकेले विमान उड़ाती है। इसी दौरान जब वह सोलापुर हवाई अड्डे पर विमान उतार रही थी, तभी अचानक विमान का संतुलन बिगड़ गया और उसकी जोरदार हार्ड लैंडिंग हुई। इसके बाद विमान रनवे पर ही एक खतरनाक स्थिति में फंस गया।

बीजेपी विधानसभा चुनाव में कई एमएलसी को मैदान में उतारने पर कर रही विचार

-पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व यूपी में उम्मीदवारों के चयन का बदलने जा रहा पूरा खाका



नई दिल्ली , एजेंसी। 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी ने अपनी चुनावी रणनीति पर काम तेज कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व यूपी में अपने उम्मीदवारों के चयन का पूरा खाका बदलने जा रहा है। पार्टी इस बार अपने ज्यादातर विधान परिषद सदस्यों को सीधे 2027 के विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। पार्टी के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि बीजेपी आलाकमान ने अपने सभी एमएलसी को चुनाव की तैयारियों में जुटने और अपने-अपने प्रभाव वाले इलाकों में मजबूत जीत की संभावना वाली विधानसभा सीटों की पहचान शुरू करने का संदेश दे दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस संभावित फैसले से यूपी के कई बड़े मंत्रियों और सांगठनिक दिग्गजों की सीधी विधानसभा चुनाव में एंट्री होने जा रही है। जिन प्रमुख एमएलसी को चुनावी मैदान में उतारे जाने की चर्चा है, उनमें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, जलशक्ति मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान और पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी शामिल हैं।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन अनुभवी नेताओं को सीधे जनता के बीच चुनावी मैदान में उतारने से राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह दोगुना होगा और उन क्षेत्रों में बीजेपी की स्थिति मजबूत होगी। बीजेपी का यह नया दांव केवल एमएलसी को मैदान में उतारने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए पार्टी अपने मौजूदा विधायकों पर बड़े पैमाने पर गाज गिराने की तैयारी में है। जनता और कार्यकर्ताओं की नाराजगी से निपटने के लिए बीजेपी 2027 में अपने कई मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है। पार्टी आंतरिक सर्वे, क्षेत्रीय जातीय समीकरणों, जनप्रतिनिधि के रूप में प्रदर्शन और सांगठनिक फीडबैक के आधार पर ही अंतिम टिकट तय करेगी। एमएलसी को टिकट देने से जहां अनुभवी सांगठनिक नेताओं को सीधे विधानसभा में लाया जा सकेगा, वहीं कमजोर सीटों पर नए और मजबूत चेहरों को मौका देने की गुंजाइश भी बनेगी। यूपी बीजेपी की राजनीति और राष्ट्रीय राजनीति का सबसे अहम गढ़ है। 2027 के चुनाव से काफी पहले आलाकमान की तरफ से एमएलसी को तैयारी में जुटने के निर्देश देना यह साफ दर्शाता है कि बीजेपी इस बार किसी भी स्तर पर ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

दिल्ली से गुजरात तक छठ पूजा की तैयारियां तेज, घाट पर किए खास इंतजाम

- अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे पूजा में शामिल होंगे 25 हजार श्रद्धालु

नई दिल्ली , एजेंसी। छठ महापर्व को लेकर दिल्ली से गुजरात तक तैयारियां तेज हो गई हैं। दिल्ली में मुनक नहर के किनारे करीब 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट बनाया गया है। वहीं, गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे तैयारी की गई हैं। दिल्ली में छठ पूजा के लिए मुनक नहर के किनारे बने घाट पर खास इंतजाम किए गए हैं। यहां साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। घाट का उद्घाटन गुरुवार को किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के अहमदाबाद में भी छठ पूजा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। छठ महापर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष के मुताबिक इस बार शाम की पूजा में 25 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। पिछले 25 साल से अहमदाबाद में छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि साबरमती नदी के किनारे छठ पूजा के लिए खास जगह तय कराने में तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी की पहल रही थी। इसके बाद आनंदीबेन पटेल ने इस घाट को मंजूरी दी और विजय रुपाणी सरकार के दौरान इसका उद्घाटन हुआ। अहमदाबाद में बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के करीब 10 लाख लोग रहते हैं। इनमें से कई लोग छठ पूजा के लिए अपने घर नहीं जा पाते। ऐसे लोगों की सुविधा के लिए शहर में 10 से ज्यादा जगहों पर छठ पूजा के इंतजाम किए गए हैं। इस बार भी साबरमती रिवरफ्रंट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्य की उपासना करेंगे। दिल्ली की मुनक नहर से लेकर गुजरात के साबरमती तट तक छठ महापर्व की तैयारियां दिखाई दे रही हैं।

पीएम मोदी के बेंगलुरु और मैसूरु दौरे को लेकर सुरक्षा कड़ी, हजारों पुलिसकर्मी तैनात

- कई इलाके अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित, ड्रोन और उड़ने वाली वस्तुएं रहेंगी बैन

बेंगलुरु , एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को प्रस्तावित कर्नाटक दौरे को देखते हुए बेंगलुरु और मैसूरु में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एसपीजी की टीम भी पूरे सुरक्षा इंतजाम पर नजर रख रही है। पीएम के आने-जाने वाले रास्तों, कार्यक्रम स्थलों और आसपास के संवेदनशील इलाकों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था में तीन संयुक्त पुलिस आयुक्त, 15 पुलिस उपायुक्त, 20 सहायक पुलिस आयुक्त, 30 पुलिस निरीक्षक, 100 से ज्यादा उपनिरीक्षक और एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एसपीजी की टीम करीब 10 दिन पहले ही शहर पहुंच गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी के काफिले के गुजरने वाले मार्गों पर स्थित ऊंची इमारतों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। आसपास के अपार्टमेंट की भी जांच की गई। पुलिस ने अपार्टमेंट प्रबंधन को निर्देश दिया है कि किसी भी नए या संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि की जानकारी तत्काल अधिकारियों को दें। इसके अलावा मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर उनकी कार्यक्षमता तय करें। सुरक्षा के मद्देनजर बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त ने शुक्रवार सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक तीन तय स्थानों के एक किलोमीटर के दायरे में अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया है। इस दौरान ड्रोन और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं पर प्रतिबंध रहेगा। पीएम मोदी अपने दौरे की शुरुआत आरए मंदुरकर अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रशिक्षण केंद्र परिसर के हेलीपैड से करेंगे। इसके बाद वे तावरेकेरे मेट्रो स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद पीएम मैसूरु पहुंचकर चामुंडी पहाड़ी की तलहटी में विकसित भारत वन का उद्घाटन करेंगे। यह वन नम्मा मैसूरु, नम्मा कोडुगे पहल के तहत तैयार किया गया है। इसके अलावा वे भारत के पहले झुके हुए गुंबद वाले एलईडी तारामंडल का उद्घाटन करेंगे। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान और मैसूरु विश्वविद्यालय ने इसे 118 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया है। इसमें करीब 150 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। कार्यक्रमों के बाद पीएम मोदी हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के विमान से दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

बर्फबारी और शीतलहर से निपटने को देहरादून प्रशासन तैयार, डीएम ने दिए सख्त निर्देश



देहरादून (शिखर समाचार)। आगामी शीतकाल और संभावित शीतलहर एवं बर्फबारी को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आमजन की सुरक्षा, राहत और बचाव व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कलेक्ट्रेट स्थित ऋषिपर्णा सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने नगर निकायों, तहसील क्षेत्रों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अस्पतालों सहित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने तथा जरूरतमंदों को समय से कंबल वितरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों में तीन माह का खाद्यान्न अग्रिम रूप से पहुंचाने और सभी रैन बसेरों में बिस्तर, कंबल, पेयजल, प्रकाश, शौचालय एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। प्रत्येक रैन बसेरे के लिए नोडल अधिकारी नामित कर नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का अग्रिम भंडारण करने तथा गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाइयां, चिकित्सक, एंबुलेंस और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। वहीं, संवेदनशील पर्वतीय मार्गों को सुचारू रखने के लिए जेसीबी, बर्फ हटाने वाली मशीनें, नमक और चूना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने को कहा। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जोखिम वाले पैदल यात्रा मार्गों को चिह्नित करने और मौसम खराब होने पर समय से सूचना देने के निर्देश दिए। पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, उपचार और पर्याप्त चारे की व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी के.के. मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर अपूर्वा सिंह, अपर नगर मजिस्ट्रेट रविन्द्र जुवांठा, जिला पूर्ति अधिकारी के.के. अग्रवाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ऋषभ कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कुछ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े।

अजित पवार प्लेन क्रैश: एनसीपी के शक ने महाराष्ट्र में मचाई खलबली

मुंबई ,एजेंसी। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रदेश प्रवक्ता उमेश पाटिल ने महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार के प्लेन क्रैश को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। पाटिल ने इस हादसे को कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि एक सोची समझी साजिश करार दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास इस दावे को साबित करने वाला कोई पुख्ता सबूत फिलहाल मौजूद नहीं है। महाराष्ट्र के विभिन्न हलकों में इस क्रैश को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, और सरकारी जांच एजेंसियां मामले की गहनता से पड़ताल कर रही हैं। पाटिल ने अपनी गट फीलिंग के आधार पर कहा, मेरे हिसाब से अजित दादा के साथ जो हुआ, वह हादसा नहीं बल्कि साजिश थी। उन्होंने आगे बताया कि वे और पार्टी के कई सहयोगी पिछले 20 से 25 सालों से अजित पवार से जुड़े रहे हैं। अलग-अलग घटनाओं और परिस्थितियों को एक साथ जोड़ने पर उन्हें लगता है कि इसमें साजिश की पूरी संभावना है। पाटिल ने जोर देकर कहा कि प्लेन क्रैश के तकनीकी पहलुओं की पूरी जांच किए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उन्होंने माना कि क्रैश की परिस्थितियों पर उनके भी कुछ सवाल हैं, लेकिन जांच काफी आगे बढ़ने के बाद ही कुछ और कहना सही होगा। यह घटना 28 जनवरी 2026 की है, जब अजित पवार मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। वे जिले की जिला परिषद चुनाव की रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वे दिल्ली की एक निजी चार्टर कंपनी वीएसआर वेंचर्स के बमबार्डियर लियरजेट 45 में सवार थे। विमान में अजित पवार समेत कुल पांच लोग यात्रा कर रहे थे। विमान ने सुबह करीब 8:10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। बारामती एयरपोर्ट पर कम विजिबिलिटी के कारण पहली लैंडिंग की कोशिश असफल रही। दूसरी कोशिश के दौरान विमान रनवे थ्रेशोल्ड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें भीषण आग लग गई। इस दुखद हादसे में विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

चित्रगुप्त महोत्सव पर सामूहिक कलम-दवात पूजन, सुख-समृद्धि की कामना



देहरादून (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तराखंड की ओर से श्री चित्रगुप्त महोत्सव हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देहरादून में सामूहिक कलम-दवात पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें कायस्थ समाज सहित सर्वसमाज के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने भगवान श्री चित्रगुप्त की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने आरती की और सामूहिक रूप से अपनी कलम एवं दवात का पूजन किया। राज पुरोहित आचार्य शशिकांत ने मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजन संपन्न कराया। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त से परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और बच्चों की उज्ज्वल शिक्षा की कामना की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कलम-दवात पूजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि विद्या, लेखन और कर्म के प्रति सम्मान का प्रतीक है। भगवान चित्रगुप्त को लेखनी का देवता माना जाता है। उनकी आराधना के माध्यम से समाज अपने कार्यों के प्रति निष्ठा और ईमानदारी का संकल्प लेता है।

कार्यक्रम में महासभा के संरक्षक अतुल श्रीवास्तव, गगन श्रीवास्तव, संगठन मंत्री सुशील सक्सेना, उपाध्यक्ष रवि सरन, प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ राजीव श्रीवास्तव, अभिषेक माथुर, जिला अध्यक्ष हरिद्वार अनिल श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष देहरादून अभय श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ अनिता सक्सेना, महामंत्री नीतू श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, ममता माथुर, सोना श्रीवास्तव, शालिनी सक्सेना, शरनय्या सक्सेना, उपासना श्रीवास्तव, रीता श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार प्रखर प्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र प्रताप सिंह, सुमित रावत और राज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने एक-दूसरे को चित्रगुप्त महोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया

सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर बीजेपी नेता कंगना ने उठाए कई सवाल



नई दिल्ली, एजेंसी । अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। सोनिया गांधी की बायोग्राफी को सेल्फ-गोल बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की।

कंगना ने स्विस बैंक खातों को लेकर बिना सबूत के आरोप भी लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी एक ऐसा सेल्फ-गोल है। वह बताती हैं कि राजीव गांधी की मौत वाले दिन थकान और सुस्ती जैसे कारणों का हवाला देते हुए वे उनके साथ जाने से कैसे बचीं। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपना सेल्फ-गोल टैलेंट कहां से मिला है। उन्हें यह अपनी मम्मी से मिला है। उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा- राजीव सिर्फ एक शर्त पर सोनिया गांधी के पास वापस आने के लिए सहमत हुए। मेनका को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि इसी समय, संजय की मौत के बाद, सोनिया गांधी ने भारत में 15 साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता हासिल करने का फैसला किया।

कंगना ने ज़िक्र किया कि मेनका गांधी कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी दोनों एक तीसरे व्यक्ति की शिकार थीं। उन्होंने लिखा- वह तीसरा व्यक्ति कौन था? 22 साल की विधवा मेनका को बताया गया कि उन्हें जाना होगा और वह दूसरों के साथ एक ही टेबल पर बैठ भी नहीं सकतीं। सोनिया गांधी अपनी बायोग्राफी में बताती हैं कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेनका के विपक्ष में दोस्त थे। लेकिन हर कोई जानता है कि राजीव गांधी को राजनीति में दिलचस्पी भी नहीं थी और वह प्रधानमंत्री की भूमिका में जबरन लाए जाने के बारे में काफी खुले थे। तो मेनका को बाहर कौन चाहता था?

कंगना ने लिखा- अपने पूरे जीवन में एक भी पैसा कमाए बिना वह 1991 में दुनिया की सबसे अमीर महिला कैसे बन गईं? कथित तौर पर उनके नाम पर स्विस खातों में दो अरब डॉलर से ज्यादा रखे गए थे। वाह! परिवार के सभी लोगों की मौत के बाद कथित तौर पर गरीब, सहानुभूति मांगने वाली इतालवी विधवा अचानक अरबपति कैसे बन गईं? उनकी बायोग्राफी इसे स्पष्ट क्यों नहीं करती?

धनखड़ की तबीयत बिगड़ने पर महुआ बोलीं- मोदी सरकार रहते सुबह की सैर से बचें

नई दिल्ली, एजेंसी । पूर्व उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ने पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की, लेकिन इस दौरान दिल्ली के प्रदूषण को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार पर सियासी तंज भी कस दिया। उन्होंने सलाह दी कि जब तक मोदी सरकार सत्ता में है, धनखड़ को सुबह की सैर से बचना चाहिए। दरअसल, 75 वर्षीय जगदीप धनखड़ बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश हो गए थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनका कार्डियो-न्यूरो सेंटर में इलाज चल रहा है। गुरुवार सुबह महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर धनखड़ की तबीयत से जुड़ी खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उत्तराखंड की लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने पर मुख्यमंत्री धामी और प्रसून जोशी में चर्चा



देहरादून (शिखर समाचार)। प्रसार भारती के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध गीतकार, कवि और लेखक प्रसून जोशी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति, कला, साहित्य, संगीत और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही प्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, लोक परंपराओं और रचनात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की लोकसंस्कृति, लोकगीत, लोककला और पारंपरिक विरासत राज्य की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रसून जोशी के साहित्य, गीत लेखन, सिनेमा और रचनात्मक जगत में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कला और साहित्य समाज की संवेदनाओं, विचारों और सांस्कृतिक मूल्यों को अभिव्यक्त करने के प्रभावी माध्यम हैं। इनके जरिए देश की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को नई पीढ़ी से जोड़ने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। भेंट के दौरान उत्तराखंड की सांस्कृतिक विशिष्टताओं को संचार एवं प्रसारण के विभिन्न माध्यमों से देशभर में पहुंचाने तथा प्रदेश की लोककला और लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

नहटौर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध तमंचे और पिस्टल के साथ दो युवक दबोचे



बिजनौर (शिखर समाचार)। नहटौर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा, तीन जिंदा कारतूस, एक पिस्टल और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। गिरफ्तार दोनों युवक ग्राम मुसेपुर के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार, अपराधों पर अंकुश लगाने और अवैध हथियार रखने, उनकी खरीद-फरोख्त तथा परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 12 नवंबर को नहटौर पुलिस ने चेकिंग के दौरान रोहित पुत्र राकेश सिंह और शिवम कुमार पुत्र बब्लू सिंह निवासी ग्राम मुसेपुर, थाना नहटौर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर रोहित के पास से 315 बोर का एक तमंचा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए, जबकि शिवम के कब्जे से 32 बोर की एक पिस्टल मिली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। इस संबंध में थाना नहटौर में मुकदमा अपराध संख्या 342/2026 के तहत शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बढ़ापुर में चोरों का दुस्साहस, चार बसों से सात बैटरियां चोरी; चौकीदार भी नहीं रोक सके वारदात

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर बस स्टैंड के निकट खड़ी नगीना मार्ग पर संचालित चार निजी बसों को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए सात बैटरियां चोरी कर लीं। हैरानी की बात यह है कि बसों की सुरक्षा के लिए रात में दो चौकीदार तैनात होने के बावजूद चोर आसानी से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। गुरुवार सुबह बस चालकों और परिचालकों के पहुंचने पर चोरी की जानकारी हुई, जिसके बाद बस मालिकों ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की।



जानकारी के अनुसार, बढ़ापुर नगीना मार्ग पर चलने वाली निजी बसें बस स्टैंड के पास सड़क किनारे स्थित बस मालिकों के खाली भूखंड में खड़ी की जाती हैं। बसों की सुरक्षा के लिए रात में दो चौकीदारों की तैनाती की गई है। इसके बावजूद बुधवार रात चोरों ने चार बसों के ताले खोलकर या अन्य तरीके से उनमें लगी बैटरियां चोरी कर लीं। बस मालिक इश्तियाक उर्फ आशु ने बताया कि उनकी दो बसों से तीन बैटरियां चोरी हुई हैं, जबकि नगीना निवासी रईस कुरैशी की बस से दो और ग्राम इस्लामाबाद निवासी ज्ञान सिंह की बस से भी दो बैटरियां गायब मिलीं। गुरुवार सुबह चालक और परिचालक बसों पर पहुंचे तो बैटरियां गायब देखकर बस मालिकों को सूचना दी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि चोरी की जानकारी मिली है, लेकिन अभी तक पुलिस को लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

दहेज और मृतक भोज जैसी कुरीतियों पर लगे पूर्ण प्रतिबंध : स्वामी कर्मवीर



खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव नगला राठी में आयोजित दो दिवसीय आर्य समाज सम्मेलन हर्षोल्लास और धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में क्षेत्र के अनेक बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं और गणमान्य लोगों ने भाग लेकर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने तथा वैदिक विचारधारा को अपनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में आयुवेर्दाचार्य एवं योगाचार्य स्वामी कर्मवीर ने कहा कि जो व्यक्ति दूसरों का उपकार करते हैं, दान-पुण्य करते हैं और सामाजिक सेवा में अपना योगदान देते हैं, उनका यश बढ़ता है, जबकि केवल अपने स्वार्थ के लिए काम करने वाले लोगों को अपयश मिलता है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज की स्थापना सामाजिक बुराइयों, पाखंड और अंधविश्वास को समाप्त करने के उद्देश्य से हुई है। आर्य समाज पूरे विश्व में वेदों और महर्षि स्वामी दयानंद की विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर रहा है। उन्होंने समाज से मृतक भोज जैसी कुप्रथा को पूरी तरह बंद करने और दहेज प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि दहेज समाज पर कलंक है। सरधना विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि आज समाज विभिन्न विचारधाराओं में उलझकर बंटता जा रहा है। आर्य समाज राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर कार्य करने वाला सजग संगठन है। आचार्य कंवरपाल शास्त्री ने कहा कि महर्षि दयानंद के विचारों का प्रचार-प्रसार करते हुए समाज को वेदों की ओर लौटना होगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से आर्य समाज से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में वेद विदुषी शमिता शास्त्री, भजन उपदेशिका संगीता आर्य, जगमाल सिंह आर्य और सतीश सुमन ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर चमन शास्त्री, वेद व्रत आर्य, प्रधान सलेकचंद आर्य, सुभाष चंद्र आर्य, महावीर सिंह, अरविंद आर्य, कालूराम, महिपाल सिंह, प्रधान जगदीश सिंह, गजराज प्रेमी, महेश चंद्र आर्य और राजकुमार ढोलक वादक सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। इससे पूर्व सुलभा शास्त्री ने वैदिक यज्ञ संपन्न कराया।

हाईवे-9 पर सीमेंट से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉला पलटा, नीचे दबे एक व्यक्ति की मौत और दो घायल



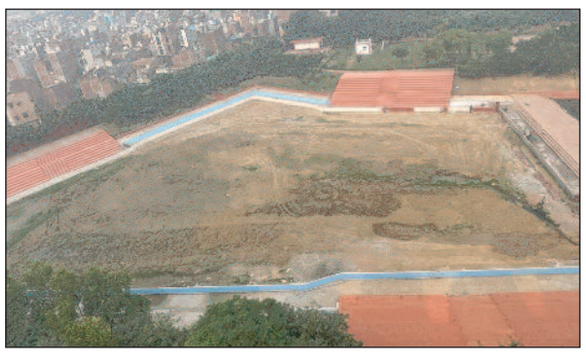
हापुड़ (शिखर समाचार)। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-9) पर गुरुवार सुबह ततारपुर गांव के सामने सीमेंट से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉला अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। इस भीषण हादसे में ट्रैक्टर पर सवार तीनों लोग वाहन और सीमेंट के बोरों के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक व्यक्ति ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह स्वराज ट्रैक्टर-ट्रॉला सिकंदराबाद से सीमेंट लादकर हापुड़ की ओर आ रहा था। जैसे ही वाहन दिल्ली से मुरादाबाद जाने वाली लेन पर ततारपुर गांव के सामने पहुंचा, तभी वह अचानक संतुलन खो बैठा और सड़क पर पलट गया। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर पर सवार तीनों लोग उसके नीचे दब गए और घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में घायल हुए दो लोगों की पहचान दीपक पुत्र चंद्रपाल (निवासी नगला बॉयस, वाजिदपुर, थाना जरीफनगर, जिला बदायूं) तथा अनुज पुत्र अमर सिंह (निवासी एनटीपीसी दादरी, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर) के रूप में हुई है। राहगीरों की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दबे हुए लोगों को बाहर निकाला और तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हापुड़ भिजवाया। वहां इलाज के दौरान गंभीर चोटों के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया और विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

छठ महापर्व पर जीडीए की सौगात: कोयल एनक्लेव में ₹1.20 करोड़ से तैयार हुए चार भव्य छठ घाट

आकर्षक स्टोन वर्क, हाई-टेक सुरक्षा और चेंजिंग रूम जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस हुए घाट

आरव शर्मा

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्व की गरिमा को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने एक सराहनीय पहल की है। जीडीए द्वारा अपनी विकसित कोयल एनक्लेव योजना में लगभग 1.20 करोड़ रुपये की लागत से चार भव्य छठ घाटों का निर्माण एवं विकास कार्य कराया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर में निवास कर रहे पूर्वांचल, बिहार सहित अन्य क्षेत्रों के उन हजारों परिवारों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है, जो अपने गृह जनपद से दूर रहकर पूरे उत्साह और



परंपरा के साथ छठ पर्व मनाते हैं। शासन की मंशा के अनुरूप तैयार किए गए इन चारों छठ घाटों को बेहद आकर्षक रूप दिया गया है। घाटों के तालाब (पॉन्ड) और आसपास के परिसर में विशेष स्टोन वर्क और पत्थरों के माध्यम से सौंदर्यीकरण किया गया है, जिससे पूरा क्षेत्र स्वच्छ और भव्य नजर आ रहा है। प्रातःकालीन और सायंकालीन अर्घ्य के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पूरे परिसर में व्यापक साफ-सफाई के साथ-साथ पर्याप्त रोशनी और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है।

> "छठ महापर्व स्वच्छता, अनुशासन और लोक आस्था का प्रतीक है। गाजियाबाद में बड़ी संख्या में पूर्वांचल और बिहार के परिवार रहते हैं, जिन्हें पर्व के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कोयल एनक्लेव में चारों छठ घाटों को आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के साथ विकसित किया गया है। प्राधिकरण का प्रयास है कि शहर के हर नागरिक को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को मनाने के लिए बेहतर माहौल मिले। समस्त व्रतियों और शहरवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।"
>
> ■ नंद किशोर कलाल (IAS), उपाध्यक्ष, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण



सुरक्षा और जनसुविधाओं पर विशेष जोर

छठ पूजा के दौरान उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जीडीए ने सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए हैं। महिलाओं और पुरुषों की सुविधा के लिए घाट परिसर में अलग-अलग चेंजिंग रूम और अस्थायी शौचालय बनाए गए हैं। इसके अलावा, सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने और हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रखने के लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

पूरे शहर के श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ

जीडीए के इस कदम से न केवल कोयल एनक्लेव, बल्कि आसपास की कॉलोनियों और पूरे गाजियाबाद शहर के श्रद्धालुओं को अर्घ्य देने के लिए एक बेहतरीन स्थान मिल गया है। सूर्योपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का यह महापर्व सामाजिक समरसता को मजबूत करता है। प्राधिकरण ने इस पावन अवसर पर सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

जीडीए की संपत्तियों पर निवेशकों की बंपर बोली: 19 भूखंडों की नीलामी से प्राधिकरण को ₹485 करोड़ की आय

आरव शर्मा

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को संपत्तियों की नीलामी में बड़ी आर्थिक सफलता हाथ लगी है। गुरुवार, 12 नवंबर को आयोजित नीलामी प्रक्रिया में प्राधिकरण की कुल 19 संपत्तियों के लिए सफल बोलियां प्राप्त हुईं, जिससे जीडीए के खजाने में लगभग ₹485 करोड़ का राजस्व आएगा। इस भारी निवेश ने न केवल प्राधिकरण की योजनाओं के प्रति खरीदारों और निवेशकों के बढ़ते रुझान को साबित किया है, बल्कि शहर के आवासीय, व्यावसायिक और संस्थागत क्षेत्रों की मजबूत होती मांग पर भी मुहर लगाई है। नीलामी में शहर की कई प्रमुख योजनाओं की संपत्तियां शामिल की गई थीं। इसमें मधुबन-बापूधाम योजना का दबदबा रहा, जहां 08 ग्रुप हाउसिंग, 02 होटल, 01 मिक्स्ड लैंड यूज और 01 फैसिलिटी भूखंड पर निवेशकों ने दांव लगाया। इसके



अलावा इंदिरापुरम योजना के 04 आवासीय और 01 व्यावसायिक भूखंड, कोयल एन्क्लेव योजना के 01 प्राइमरी स्कूल भूखंड तथा यूपी बॉर्डर (चिकम्बरपुर) योजना के 01 दुकान भूखंड की सफल नीलामी हुई। जीडीए अधिकारियों के अनुसार, पूरी नीलामी प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से संपन्न कराया गया, ताकि सार्वजनिक संपत्तियों का अधिकतम बाजार मूल्य प्राप्त किया जा सके। प्राधिकरण को मिलने वाले इस ₹485 करोड़ के राजस्व से शहर के सुनियोजित विकास को नई रफ्तार मिलेगी। इस धनराशि का उपयोग शहर में नई सड़कों के निर्माण, बुनियादी ढांचे के विस्तार, नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और आगामी आवासीय परियोजनाओं को गति देने में किया जाएगा। इस सफल नीलामी ने गाजियाबाद को एक तेजी से उभरते निवेश-अनुकूल आधुनिक शहर के रूप में और मजबूती से स्थापित किया है।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनीं समस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रत्येक शिकायत का निस्तारण इस प्रकार किया जाए कि पीड़ित या शिकायतकर्ता को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे जनसुनवाई में मिलने वाली शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और उनका प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को शासन-प्रशासन की योजनाओं और सेवाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।

मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करें: जिलाधिकारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग और उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान के तहत गाजियाबाद में मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और अद्यतन बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी सिलसिले में साहिबाबाद, गाजियाबाद और मुरादनगर विधानसभा क्षेत्रों के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और सुपरवाइजर्स के लिए आईटीएस मोहन नगर तथा हिंदी भवन लोहिया नगर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने सभी अधिकारियों और कार्मिकों को निर्देश दिए कि वे निर्वाचन कार्यों को पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से न छूटे। जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष पूरी हो चुकी है या जो 1 जनवरी 2027 तक 18 वर्ष



के हो जाएंगे, उनके नाम प्राथमिकता से मतदाता सूची में जोड़े जाएं। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों से आकर गाजियाबाद में बसने वाले नागरिकों के नाम भी नियमानुसार सूची में दर्ज किए जाएं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। अभियान को सफल बनाने के लिए राशन कोटेदारों, स्कूल-कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, औद्योगिक संगठनों और आरडब्ल्यूए का भी सहयोग लिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।

यह विशेष अभियान 17 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलाया जाएगा। इस दौरान 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान दिवस आयोजित होंगे, जिनमें सभी बीएलओ अपने बूथों पर मौजूद रहकर आवेदन लेंगे। शेष कार्य दिवसों में बीएलओ घर-घर जाकर सर्वे का कार्य करेंगे।

बीएलओ के लिए चार महत्वपूर्ण मंत्र

प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बीएलओ को कामकाज बेहतर बनाने के लिए चार प्रमुख मंत्र दिए:

प्रथम मंत्रः सभी बीएलओ बीएलओ ऐप का कुशल संचालन सुनिश्चित करें और जरूरत पड़ने पर सहयोगियों से मार्गदर्शन लें।

द्वितीय मंत्रः बीएलओ रजिस्टर में सभी प्रविष्टियां पूरी स्पष्टता और बिना किसी त्रुटि के दर्ज की जाएं।

तृतीय मंत्रः प्रतिदिन 35 घरों के निर्धारित लक्ष्य के बजाय सभी बीएलओ संकल्प लेकर कम से कम 50 घरों तक संपर्क करें।

चतुर्थ मंत्रः पूरी शुद्धता और पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं।

जिलाधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि यदि किसी पात्र व्यक्ति के पास केवल पहचान पत्र के रूप में संबंधित दस्तावेज है, तब भी ऑनलाइन फॉर्म-6 भरकर आवेदन किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो देना अनिवार्य होगा। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनपद की मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना है।

दिनदहाड़े घर के बाहर खड़ी कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग, कॉलोनी में दहशत

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मेरठ रोड स्थित आवास विकास कॉलोनी में गुरुवार दोपहर अज्ञात हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी एक कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने कार को निशाना बनाते हुए तीन राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरी कॉलोनी में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवास विकास कॉलोनी के संजय विहार निवासी संदीप शर्मा की कार गुरुवार दोपहर उनके आवास के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान वाहन से पहुंचे अज्ञात हमलावरों



ने कार पर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। गनीमत रही कि घटना के समय संदीप शर्मा और उनके परिवार के सभी सदस्य घर के भीतर मौजूद थे, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पीड़ित संदीप शर्मा द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि बदमाशों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से तीन राउंड फायरिंग की है। गोलियों की आवाज सुनकर जब परिजन और आसपास के लोग घरों से बाहर निकले, तब तक हमलावर मौके से भाग चुके थे। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी (सीओ) दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि आवास विकास कॉलोनी में घर के बाहर खड़ी कार पर फायरिंग होने की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की है। हमलावरों की पहचान और धरपकड़ के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अमरोहा में प्रदेशीय कबड्डी प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगी सहारनपुर मंडल की 14 महिला खिलाड़ी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। प्रदेशीय समन्वय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता के लिए सहारनपुर मंडल की टीम का चयन कर लिया गया है। आगामी 19 से 21 नवंबर 2026 तक अमरोहा में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में मंडल की 14 महिला खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। चयन के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर खेल स्टेडियम, सहारनपुर में जिला एवं मंडल स्तरीय चयन परीक्षण आयोजित किए गए, जिनमें सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और शामली की महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के चयन परीक्षण सुनील कुमार, सचिव जिला कबड्डी संघ सहारनपुर, ईश्वर पाल सिंह मुखिया, प्रवीण कुमार, सहायक प्रशिक्षक तथा संजीव कुमार के



निर्देशन में संपन्न कराए गए। इस दौरान खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, दमखम और प्रदर्शन के आधार पर चयनकताओं का ध्यान आकर्षित किया। क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा ने बताया कि मंडल स्तरीय चयन परीक्षण के आधार पर कुल 14 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जबकि एक खिलाड़ी को आरक्षित सूची में रखा गया है। चयनित खिलाड़ियों में मुजफ्फरनगर से रूपा रानी, अंजली, हिमांशी और टीना, सहारनपुर से कशिश, पायल सैनी, नैन्सी, सलोनी, वंशिका और खुशनुमा तथा शामली से दीपांशु, इसरा, अंजली और जानकी शामिल हैं। शामली की मीनू को आरक्षित खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। चयनित खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर सहारनपुर मंडल का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर डीएम व एसपी अलर्ट, घाटों पर तैयारियों का लिया जायजा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। कार्तिक पूर्णिमा मेले में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी कविता मीना ने मेला स्थल एवं गंगा घाटों पर पहुंचकर चल रही तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, यातायात संचालन, हेलीपैड स्थल, सुरक्षा इंतजाम और चिकित्सा शिविर सहित श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए सभी तैयारियां प्राथमिकता के आधार पर



समय से पूरी कर ली जाएं।

जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और घाटों पर गोताखोरों, नावों तथा पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और व्यवस्थाओं को बेहतर रखें।

दूसरी ओर, पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह ने भी सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के उद्देश्य से गढ़ गंगा मेला स्थल के साथ-साथ बृजघाट गंगा तट का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

एक माह से पेयजल संकट झेल रहे गुजैनी के लोग

कानपुर , एजेंसी। गुजैनी के जी ब्लॉक स्थित गली नंबर-730 में पेयजल संकट से लोग परेशान हैं। करीब एक माह से जलापूर्ति व्यवस्था चरमराई हुई है। कहीं नलों से पानी नहीं आ रहा तो कहीं झागयुक्त, बदबूदार और काला पानी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। दूषित पानी से बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है।दिवाली पर भी लोगों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जलकल विभाग के अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हुआ। शिकायत पर कुछ दिन आपूर्ति सुधरती है और फिर वही स्थिति बन जाती है। मजबूरी में लोग आसपास के घरों में लगे सबमर्सिबल से पानी लेकर दैनिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

बिजली चोरी रोकने के लिए केस्को चलाएगा महाभियान

कानपुर। बिजली चोरी पर अंकुश लगाने और लाइन लॉस कम करने के लिए केस्को जल्द ही शहर में महाभियान शुरू करेगा। इसके तहत बिजली चोरों के खिलाफ बड़े स्तर पर धरपकड़ अभियान चलाया जाएगा। शहर के कई इलाकों से लगातार बिजली चोरी की शिकायतें मिल रही हैं।रंजीतनगर, पुराना आरपीएच, आचार्यनगर और आलूमंडी सबस्टेशन व फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली चोरी की समस्या अधिक है। इससे विभाग को हर माह लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है और लाइन लॉस भी बढ़ रहा है। अभियान के दौरान केस्को की टीमें इन क्षेत्रों के संदिग्ध घरों और प्रतिष्ठानों की जांच करेंगी।बिजली कनेक्शन, मीटर और लोड का सत्यापन किया जाएगा। अनियमितता मिलने पर संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर नियमानुसार कार्रवाई होगी। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य बिजली चोरी रोकना, राजस्व वसूली बढ़ाना और लाइन लॉस कम करना है। इसके लिए विभाग समय-समय पर अभियान चलाता है।

विरासत गलियारा भगवा रंग से निखरने लगा, एकरूपता से बदलेगी बाजार की सूरत

गोरखपुर , एजेंसी। शहर का विरासत गलियारा अब भगवा रंग में निखरने लगा है। पांडेयहता से धर्मशाला ओवरब्रिज तक करीब 3.5 किलोमीटर लंबे गलियारे में मकानों और दुकानों के बाहरी हिस्सों का एक समान रंगरोगन कराया जा रहा है। भगवा रंग से रंगी इमारतों के कारण गलियारे की सूरत बदलने लगी है। नगर निगम और गोरखपुर विकास प्राधिकरण की ओर से कराए जा रहे इस कार्य का उद्देश्य पूरे मार्ग को एकरूपता के साथ आकर्षक स्वरूप देना है।गलियारे में पेंटिंग का काम तेजी से चल रहा है। पांडेयहता पुलिस चौकी से घंटाघर, रेती चौक, नखास चौक, आर्यनगर चौक और जटाशंकर चौराहा होते हुए धर्मशाला ओवरब्रिज तक मकानों और दुकानों को निर्धारित रंग में रंगा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेंटिंग में तय रंग का ही इस्तेमाल हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। कार्य पूरा होने के बाद पूरा गलियारा एक समान रंग और आकर्षक स्वरूप में नजर आएगा। नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने बताया कि विरासत गलियारे के मकान व दुकानों को एक रंग में रंगा जा रहा है। इससे इस बाजार की भव्यता और बढ़ेगी।

चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेताओं का हुआ सम्मान

वाराणसी , एजेंसी। देश के प्रथम शिक्षा मंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव के कैंप कार्यालय पैगंबरपुर में कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर शिक्षक एमएलसी चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सपा के नेताओं, वित्तविहीन शिक्षक संघ के पदाधिकारियों, शिक्षकों व प्रबंधकों को लाल बिहारी यादव ने अंगवस्त्रम, पेन, डायरी और माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पढ़े-लिखे शिक्षक मतदाताओं ने भाजपा की तानाशाही नीतियों के खिलाफ मतदान कर एक साधारण व्यक्ति को पांच गुना अधिक मतों से पुनः विजयी बनाकर विधान परिषद में भेजने का काम किया। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि शिक्षकों, कर्मचारियों, समाजवादी साथियों व उन सभी संघर्षशील लोगों की जीत है, जिन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ हमारा साथ दिया। इस ऐतिहासिक जीत में आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान है। अध्यक्षता शिक्षक एमएलसी चुनाव के प्रभारी प्रदीप कुमार मौर्य ने की। संचालन जिला प्रवक्ता संतोष यादव ने किया। इस अवसर पर रूपनारायण पटेल, भीष्म नारायण सिंह, जगदीश यादव, चंद्र शेखर सिंह, जैन कुशवाहा, अभिषेक यादव, प्रताप गौतम आदि मौजूद रहे।

सीटी स्कैन यूनिट में फिर बिजली संकट, जांच के बिना लौटे मरीज

बरेली, एजेंसी। तीन सौ बेड अस्पताल के सीटी स्कैन यूनिट में बिजली संकट थम नहीं रहा। वैकल्पिक व्यवस्था न होने से दूर-दराज से आए मरीजों को जांच कराए बिना ही लौटना पड़ रहा है। बुधवार को फिर बिजली गुल रही। जांच के लिए आए आठ मरीज इंतजार के बाद लौट गए। पिछले माह भी बिजली संबंधी कार्य के लिए शटडाउन होने से मरीजों की जांच नहीं हो सकी थी। यही स्थिति कमोबेश प्रतिमाह दो से तीन बार होती है। इससे स्वास्थ्य विभाग की छवि धूमिल हो रही है। दोपहर एक बजे नकटिया निवासी मरीज की परिजन हमीदन ने बताया कि वह सुबह नौ बजे अस्पताल पहुंच गई थीं, लेकिन बिजली नहीं थी। स्टाफ ने बिजली आने पर ही जांच की बात कही। दोपहर 12 बजे के बाद भी लाइट नहीं आई तो आधे दिन की ओपीडी बताकर स्टाफ ने कल आने के लिए कहा। पुराना शहर के इकरार ने कहा कि सीटी स्कैन जांच के लिए आए मरीज की हालत पहले ही खराब होती है। लंबे समय तक इंतजार से उनकी हालत बिगड़ने की आशंका होती है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर की।

किरावली आईटीआई का गजब हाल, मशीनें हैं न प्रशिक्षक ; फिर भी हो रहे धड़ाधड़ दाखिले

आगरा , एजेंसी। किरावली में करोड़ों रुपये खर्च कर आईटीआई की आलीशान बिल्डिंग तो बना दी गई लेकिन विद्यार्थियों को तकनीकी प्रशिक्षण देने की व्यवस्था नहीं हो सकी। न किसी ट्रेड की मशीनें इंस्टॉल हुई और न ही प्रशिक्षकों की नियुक्ति। जिस परिसर में हुनर सिखाया जाना था, वहां थाने के कबाड़ रखे जा रहे हैं।

वर्ष 2024 में बनकर तैयार हुई इस बिल्डिंग में फिटर, आरएसी, वेल्डर, कोपा और इलेक्ट्रीशियन समेत छह-सात ट्रेड संचालित होने की बात कागजों में है। संस्थान में कुल 196 सीटें हैं और अब तक 70 से अधिक विद्यार्थियों के दाखिले हो चुके हैं। उन्हें प्रशिक्षण के लिए आगरा आईटीआई में भेजा जा रहा है। नोडल अधिकारी एवं राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने 2 सितंबर 2026 को अभ्यर्थियों को सलाह दी थी कि किसी भी निजी आईटीआई में प्रवेश लेने से पहले उसकी बिल्डिंग, लैब और कार्यशाला का भौतिक निरीक्षण जरूर करें। संस्थान धरातल पर नहीं मिलने पर प्रवेश न लें। अब वही हाल सरकारी आईटीआई में दिख रहा है। राजकीय आईटीआई फतेहपुर सीकरी (किरावली) में प्रवेश लेने वालों के प्रशिक्षण बल्केश्वर स्थित राजकीय आईटीआई में कराए जा रहे हैं। करीब 12 करोड़ 33 लाख 87 हजार रुपये की लागत से बनी इस बिल्डिंग का शिलान्यास एक जून 2021 को किया गया था। फिलहाल यहां थाने के क्षतिग्रस्त वाहन खड़े हैं। क्षेत्रीय विधायक चौधरी बाबूलाल ने भी कुछ महीने पहले प्रमुख सचिव को पत्र लिख चुके हैं। (सहायक प्रवेश प्रभारी) आईटीआई संकल्प दीक्षित ने बताया कि राजकीय आईटीआई फतेहपुर सीकरी (किरावली) के प्रवेश बल्केश्वर आईटीआई में अभी चल रहे हैं। अब तक 70 प्रवेश हो चुके हैं।

आईटी पार्क को जलभराव से मिलेगी स्थायी राहत, 38 करोड़ की कार्ययोजना शासन को भेजेगा प्रशासन



देहरादून (शिखर समाचार)। सहस्त्रधारा स्थित आईटी पार्क क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन ने ठोस कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत करीब 38 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक जल निकासी व्यवस्था विकसित की जाएगी। वहीं, राजपुर क्षेत्र में रिस्पना नदी के जीर्णोद्धार, नहर, नदी तट विकास और पर्यावरण पार्क के निर्माण पर 2.74 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस संबंध में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में संबंधित विभागों और विशेषज्ञों के साथ बैठक आयोजित कर दोनों परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में विशेषज्ञों ने तकनीकी सर्वेक्षण के आधार पर आईटी पार्क क्षेत्र की जलभराव समस्या के समाधान और रिस्पना नदी के विकास की कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। जिलाधिकारी ने 38 करोड़ रुपये की जल निकासी परियोजना को शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान केवल अस्थायी उपायों से नहीं होना चाहिए, बल्कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों, प्राकृतिक जल निकासी मार्गों और वर्षा जल के प्रवाह का वैज्ञानिक अध्ययन कर दीर्घकालिक व्यवस्था विकसित की जाए।

जिलाधिकारी ने रिस्पना नदी तट विकास और पर्यावरण पार्क की परियोजना के लिए जिला योजना तथा जिला खनिज फाउंडेशन निधि से धनराशि स्वीकृत कराने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से सभी आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी नहीं करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर सिंचाई विभाग के माध्यम से आईटी पार्क क्षेत्र का तकनीकी सर्वेक्षण कराया गया था। एनआईवीवी कंसल्टेंसी सर्विसेज के विशेषज्ञों ने जल निकासी व्यवस्था और रिस्पना नदी के जीर्णोद्धार से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए। बैठक में अपर जिलाधिकारी के.के. मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर अपूर्वा सिंह, सिंचाई विभाग के अधिकारी ई.आर. पुरुषोत्तम, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ऋषभ कुमार तथा कंसल्टेंसी के प्रतिनिधियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शहर की हवा जहरीली, सांस के 19 मरीज अस्पताल में भर्ती

गोरखपुर , एजेंसी। दिवाली के बाद शहर की हवा में बढ़े प्रदूषण का असर अब लोगों की सेहत पर दिखने लगा है। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में सांस फूलने, खांसी और सीने में दर्द की शिकायत लेकर पहुंचने वाले मरीजों की संख्या में तीन गुना इजाफा हुआ है। दिवाली से पहले जहां रोजाना तीन से चार मरीज पहुंचते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 10 से 15 हो गई है। अस्पताल में सांस संबंधी परेशानी के फिलहाल 19 मरीज भर्ती हैं। इनमें 11 अस्थमा के मरीज हैं। भर्ती मरीजों में बुजुर्गों की संख्या अधिक है।पटाखों के धुएं और मौसम में बदलाव के बीच सांस संबंधी परेशानियों से जूझ रहे मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में सांस फूलने, सूखी खांसी, गले में खराश, सीने में जकड़न और सांस लेते समय घरघराहट की शिकायत प्रमुख है। कुछ मरीजों को शुरुआत में हल्की खांसी हुई लेकिन धीरे-धीरे सांस लेने में दिक्कत बढ़ने पर अस्पताल पहुंचना पड़ा। वहीं, कुछ मरीजों को सीने में तेज दर्द और सांस फूलने की शिकायत के बाद भर्ती करना पड़ा। मरीजों को उपचार देने के लिए जिला अस्पताल की चेस्ट और मेडिसिन ओपीडी में परामर्श दिया जा रहा है। इमरजेंसी में जरूरत के अनुसार नेबुलाइजेशन और ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मरीजों की स्थिति के अनुसार चेस्ट एक्स-रे और ब्लड टेस्ट जैसी जांचें भी कराई जा रही हैं। गंभीर मरीजों को वार्ड में भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है जबकि अति गंभीर मरीजों को मेडिकल कॉलेज रेफर करने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था है। जिला अस्पताल के आपात चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज ने बताया कि पटाखों के धुएं में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे प्रदूषक सांस की नलियों में जलन और सूजन पैदा कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी के 70 पद रिक्त, केंद्रों का संचालन प्रभावित



लखनऊ, एजेंसी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद रिक्त होने से जिले में करीब 70 केंद्रों का संचालन प्रभावित हो रहा है। इन केंद्रों की जिम्मेदारी नजदीकी केंद्रों की कार्यकर्ता या सहायिका के पास है।

लखनऊ में करीब 2,730 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। इनका संचालन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के जिम्मे रहता है। पोषण अभियान, पंजीकृत बच्चों की पढ़ाई, पंजीकृत गर्भवती और किशोरियों की देखभाल एवं अन्य विभागीय काम भी संभालती हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक सहायिका की तैनाती भी होती है। मौजूदा समय में जिले में आंगनबाड़ी के करीब 70 पद रिक्त हैं। कुछ माह पूर्व 150 से अधिक पदों पर भर्ती के बाद भी यह पद खाली रह गए। अब विभाग इन पदों पर जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की बात कह रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी डीपीओ श्रेयस कुमार ने बताया कि रिक्त पदों का विवरण जुटाया जा चुका है। शीघ्र ही इन्हें भरने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सहायिका के रिक्त पद भी जल्द भरे जाएंगे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में सहायिका के भी 300 से अधिक पद खाली हैं। इनकी कमी का असर भी संबंधित केंद्रों के कामकाज पर पड़ रहा है। मार्च-अप्रैल में सहायिका के करीब 1,198 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई थी। उस समय 200 से अधिक पद रिक्त रह गए थे। भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने वाली 100 से ज्यादा सहायिका ने जॉइन नहीं किया था।

दीवाली के बाद अब वापस जाने में परेशानी, तत्काल का टिकट नहीं सिर्फ इंतजार, कोटा खुलते ही हैंग हुआ सर्वर

लखनऊ, एजेंसी। दीपावली और भैया दूज के बाद दिल्ली-मुंबई लौटने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग के चलते यात्रियों को तत्काल कोटे से कन्फर्म टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन बुधवार सुबह बुकिंग शुरू होते ही सर्वर हैंग हो गया। यात्री मोबाइल और कंप्यूटर पर वेबसाइट रिफ्रेश करते रहे, लेकिन टिकट नहीं मिल सके। तत्काल कोटे में करीब 750 सीटें थीं, जिसमें से स्लीपर की महज 48 सीटें ही यात्रियों के हाथ आईं।

बृहस्पतिवार से ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ और बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए लखनऊ से दिल्ली जाने वाली लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, गोरखधाम, वैशाली, अयोध्या-दिल्ली और गोमती एक्सप्रेस के अलावा मुंबई रूट की पुष्पक, अवध, कुशीनगर और गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस में तत्काल टिकट के लिए यात्रियों ने सुबह से ही प्रयास शुरू कर दिए थे।

तत्काल कोटे की बुकिंग सुबह 10 बजे शुरू हुई तो सर्वर हैंग हो गया। करीब तीन मिनट बाद स्थिति सामान्य हुई, लेकिन तब तक कई ट्रेनों में वेटिंग शुरू हो चुकी थी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, तत्काल कोटे में 750 से



अधिक सीटें उपलब्ध थीं, लेकिन तकनीकी दिक्कत के चलते यात्रियों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल सका।

नियम बदले, फिर भी कोई राहत नहीं : रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग में एजेंटों की टाइमिंग आधा घंटा घटाकर यात्रियों को प्राथमिकता देने की व्यवस्था की है। इसके बावजूद कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल बना हुआ है। दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल ने आशंका जताई है कि एजेंट प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर के जरिये तत्काल कोटे की सीटें बुक कर रहे हैं।

केस-1 : टिकट नहीं मिला तो विमान से जाएंगी मुंबई : नेहा सिंह ने पुष्पक एक्सप्रेस में थर्ड एसी का तत्काल टिकट बुक करने का प्रयास किया। सर्वर हैंग होने के बाद दोबारा बुकिंग की कोशिश की तो 31 वेटिंग हो गई। अब उन्होंने विमान से मुंबई जाने का फैसला किया है।

केस-2: लखनऊ मेल में नहीं मिला टिकट : इंजीनियर राजीव उपाध्याय त्योहार मनाने लखनऊ आए थे। उन्हें वापस दिल्ली जाना था। इसके लिए उन्होंने लखनऊ मेल की सेकंड एसी में तत्काल टिकट बुक कराने की कोशिश की, लेकिन सर्वर की समस्या के चलते टिकट नहीं मिल सका।

बहन के घर कोथली देने पहुंचे भाई की पीट-पीटकर हत्या, परिवार में मचा कोहराम



शामली (शिखर समाचार)। थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के कस्बा बनत में बहन के घर कोथली देने आए 22 वर्षीय युवक की मारपीट के बाद मौत हो गई। आरोप है कि युवक के जीजा, देवर और ससुर ने उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। देर रात युवक घर के बाहर घायल अवस्था में मिला। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। गुरुवार को पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा करते हुए शामली-मुजफ्फरनगर मार्ग पर जाम लगा दिया।

जानकारी के अनुसार मुजफ्फरनगर के मोहल्ला कमल नगर, 30 फूटा मंडी निवासी मदनपाल का 22 वर्षीय पुत्र अंकुश बुधवार को बनत निवासी अपनी बहन मनीषा के घर कोथली देने आया था। इसी दौरान मनीषा और उसके पति अरुण के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। अंकुश ने विरोध किया तो उसकी भी अरुण से बहस हो गई। आरोप है कि मनीषा का देवर आकाश उसे घर से बाहर टहलने के बहाने अपने साथ ले गया। कुछ देर बाद अंकुश घर के बाहर घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोटों के निशान थे। परिजनों ने कथित रूप से मौके पर मौजूद अरुण और उसके पिता संजीव को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार सुबह मुख्य आरोपी आकाश की गिरफ्तारी नहीं होने और पोस्टमार्टम में देरी से नाराज परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पर हंगामा कर मार्ग जाम कर दिया। सूचना पर सीओ सिटी जितेंद्र कुमार और थाना आदर्शमंडी प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों ने कठोर कार्रवाई और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजनों ने जाम खोल दिया। देर रात पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने पर परिजन शव अपने साथ ले गए।

मृतक के पिता मदनपाल पुत्र नयन सिंह की तहरीर पर पुलिस ने संजीव, अरुण, आकाश, चौटा और रवि सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल था छाती के दाईं ओर, डॉक्टरों ने सफल सर्जरी कर बदला वाल्व

लखनऊ, एजेंसी। दिल अपनी सामान्य जगह के बजाय छाती के दाईं ओर हो और शरीर के बाकी आंतरिक अंग सामान्य स्थिति में हों तो हृदय की सर्जरी डॉक्टरों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के डॉक्टरों ने ऐसी ही दुर्लभ शारीरिक स्थिति वाले मरीज का सफल माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट किया है। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत स्थिर है और उसे आईसीयू में रखा गया है।

श्रावस्ती निवासी विनोद कुमार (39) के दिल के वाल्व में खराबी आ गई थी और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इलाज के लिए वह लोहिया संस्थान पहुंचे थे। यहां जांच कराने पर दिल के दाईं ओर होने की बात पता चली। यह स्थिति डेक्स्ट्रोकार्डिया कहलाती है। साइटस सोलिटस नामक दुर्लभ बीमारी के कारण उनका वाल्व खराब हो गया था।

संस्थान के कार्डियोथोरेसिक व वैस्कुलर सर्जरी विभाग में प्रो. डॉ. डीके श्रीवास्तव के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने यह ऑपरेशन किया। ऑपरेशन आयुष्मान योजना के तहत पूरी तरह निशुल्क हुआ। सर्जरी में डॉक्टर तिरना मंडल, विवेक कुंवर, शरण्या रे, जूही श्रीवास्तव, शौर्य भटनागर के अलावा एनेस्थीसिया, नर्सिंग और परफ्यूजन टीम ने भी सहयोग किया।

चार घंटे तक भूखे-प्यासे भटकते रहे,

एसी का लिया था टिकट, स्लीपर में ठूंसकर भेजे गए 301 यात्री

कानपुर , एजेंसी। चौरीचौरा एक्सप्रेस के चार एसी कोच के पटरी से उतरने के बाद यात्रियों की मुश्किलें कम करने के बजाय रेलवे ने उन्हें और परेशानी में डाल दिया। हादसे के बाद एसी कोच में सफर कर रहे करीब 301 यात्रियों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। सुविधा और आराम के लिए यात्रियों ने एसी कोच का टिकट लिया था लेकिन हादसे के बाद उन्हें स्लीपर कोच में ठूंसकर भेजा गया। रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने की बात कहकर रात करीब नौ बजे सात स्लीपर कोच की ट्रेन में यात्रियों को बैठा दिया। छोटे बच्चों और महिलाओं समेत यात्रियों को ठंड में सफर करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यात्रियों का आरोप है कि हादसे के बाद रेलवे की ओर से न तो खाने का इंतजाम किया गया। न ही ठंड से बचने की कोई व्यवस्था। करीब चार घंटे तक उन्हें प्लेटफॉर्म पर ही भटकना पड़ा। इस दौरान घर से लगातार फोन आते रहे। परिवार के लोग उनकी सलामती और घर पहुंचने की जानकारी लेते रहे,



लेकिन यात्रियों को खुद नहीं पता था कि उन्हें कब और कैसे रवाना किया जाएगा। भूख-प्यास और अनिश्चितता ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी।

एडवोकेट रोहित ने बताया कि यात्रियों को केवल बिस्कुट और पानी देकर जिम्मेदारी पूरी कर ली गई। प्रयागराज तक जाने वाले यात्रियों को तो किसी तरह राहत मिल सकती है। हालांकि, इससे आगे जाने वालों को खाना मिलेगा या नहीं इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि एसी का टिकट लेने के बाद स्लीपर में सफर करना यात्रियों के साथ अन्याय है। रेलवे को हादसे के बाद यात्रियों के लिए बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी।

यात्री गोविंद कुमार ने कहा कि जब टिकट एसी का लिया था तो स्लीपर में क्यों भेजा गया। रेलवे को कम से कम यात्रियों की सुविधाओं और उनकी मजबूरी का ध्यान रखना चाहिए था। विशेष ट्रेन के नाम पर उन्हें दूसरी व्यवस्था में भेज दिया गया जबकि चार घंटे तक प्लेटफॉर्म पर इंतजार करना पड़ा।

महिला यात्री शबाना ने बताया कि घर तो जाना ही है। रेलवे जो व्यवस्था करे उसी में सफर करना पड़ेगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यात्रियों को बुनियादी सुविधाएं भी न दी जाएं। हादसे के बाद रेलवे को महिलाओं और बच्चों के लिए खाने, पानी और ठंड से बचाव का उचित इंतजाम करना चाहिए था।

17 नवंबर को जारी होगी ड्राफ्ट मतदाता सूची, हर मतदाता अपने और परिवार के सदस्यों का नाम जरूर जांचें: मुख्य निर्वाचन अधिकारी





ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम ने जनपद में मतदाता सूची, मतदान केंद्रों, निर्वाचन कार्मिकों की तैनाती और आवेदनों के निस्तारण की प्रगति से अवगत कराया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि 17 नवंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। सभी नागरिक अपने और परिवार के सदस्यों के नाम सूची में जरूर जांचें। नाम दर्ज नहीं होने पर फॉर्म-6 तथा नाम, पता या अन्य विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरें। उन्होंने बीएलओ को मतदाताओं के फोन अनुरोधों पर समय से कॉल बैक करने और प्राप्त आवेदनों का तत्काल सत्यापन करने के निर्देश दिए। डिजिटाइजेशन में गलती पाए जाने पर संबंधित बीएलओ की जवाबदेही तय होगी। तीन बार लापरवाही दोहराने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई 2026 के बाद पंजीकृत नए मतदाताओं को 31 दिसंबर तक स्पीड पोस्ट से वोटर आईडी कार्ड भेजे जाएंगे। जनपद में वर्तमान में 15,27,428 मतदाता, 766 मतदान केंद्र और 1,926 मतदेय स्थल हैं। मतदाता voters.eci.gov.in और ईसीआईनेट ऐप से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 भी उपलब्ध है। बैठक में मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी, जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम और अपर पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा सहित निर्वाचन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात व नकदी चोरी, मामला दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर स्थित सूरज विहार कॉलोनी में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए मुख्य द्वार का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात के समय पीड़ित परिवार त्योहार मनाने के लिए अपने पैतृक गांव गया हुआ था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा से मिली जानकारी के अनुसार, सूरज विहार कॉलोनी निवासी प्रीति अपने परिवार के साथ रहती हैं। दीपावली के पर्व पर वह अपने पूरे परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर बुलंदशहर स्थित अपने पैतृक गांव गई हुई थीं। पीछे से घर सूना पाकर अज्ञात चोरों ने मकान के ताले चटका दिए और अंदर घुसकर अलमारी व बक्सों में रखा सारा कीमती सामान समेट लिया। जब 11 नवंबर को प्रीति अपने परिवार सहित वापस घर लौटीं, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देख उनके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा पड़ा था और सोने-चांदी के आभूषण, नकदी व अन्य कीमती वस्तुएं गायब थीं। पीड़ित पक्ष के अनुसार, चोरी हुए सामान की कुल कीमत छह लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर दादरी कोतवाली में अज्ञात चोरों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही चोरों का सुराग लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, किशोर की मौत और तीन घायल

रबूपुरा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कार्गो मार्ग पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में बुधवार की शाम एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गांव आकलपुर निवासी योगेश भाटी की पत्नी उमा देवी भैया दूज के अवसर पर अपने मायके अलीगढ़ जाने के लिए निकली थीं। उनका 13 वर्षीय बेटा रोहन और परिवार के तीन अन्य बच्चे—18 वर्षीय हनी, 13 वर्षीय निशांत तथा 11 वर्षीय दीपेश—उन्हें बलेनो कार में बैठाकर यमुना एक्सप्रेसवे पर छोड़ने गए थे। महिला को उनके गंतव्य के लिए रवाना करने के बाद सभी बच्चे कार से वापस अपने गांव लौट रहे थे। वापसी के दौरान जब उनकी कार नगला हुकमसिंह गांव के पास कार्गो मार्ग पर पहुंची, तो वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण वह अचानक बेकाबू हो गई और जोरदार टक्कर के साथ डिवाइडर से टकराकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि 13 वर्षीय रोहन पुत्र योगेश सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार अन्य तीनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य करते हुए सभी घायलों को जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है, हालांकि परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही मृतक किशोर का अंतिम संस्कार कर दिया है।

गढ़ गंगा मेले में आएंगे मुख्यमंत्री योगी, तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार



गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक मिनी कुंभ कहे जाने वाले कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले में इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर मेला स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए स्थानीय विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने मेला स्थल का दौरा किया और वहां चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निमार्णाधीन हेलीपैड स्थल का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से अब तक की गई व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। गौरतलब है कि पिछले वर्ष गढ़ मेले में पधारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा के तिगरी मेले और गढ़ गंगा मेले को आपस में जोड़ने के लिए पुल के निर्माण की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री के इसी वायदे को अमलीजामा पहनाते हुए इस बार दोनों मेलों को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर पीपा पुल का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे आवागमन बेहद सुगम हो जाएगा। इसके अलावा, मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले व्यापारियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुख्य स्वागत द्वार पर एक भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा है। प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात और बेहतर बुनियादी सुविधाओं को लेकर पूरी तरह सतर्क है। मुख्यमंत्री के संभावित आगमन के मद्देनजर मेला क्षेत्र में युद्धस्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

कार्तिक मेले की तैयारियों को लेकर नगर पालिका ने गठित की समिति, 24 नवंबर को होगा आयोजन

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर में आगामी कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को सकुशल संपन्न कराने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका परिषद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी 24 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले मेले के सुचारू संचालन के लिए पालिका प्रशासन द्वारा 'मेला कार्तिक 2026 समिति' का गठन किया गया है। नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर के अधिशासी अधिकारी और पालिका अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, नवगठित समिति में रमन शर्मा को अध्यक्ष, उर्मिला देवी को उपाध्यक्ष तथा लक्ष्मी यादव को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त फरीदा खातून, कुसुम यादव, प्रवेश कुमार, सुंदर यादव और लोकेश कुमार को समिति का सदस्य नामित किया गया है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 नवंबर को कार्तिक मेले का भव्य आयोजन होगा। मेले में आने वाले स्नानार्थियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए गंगा घाटों और मुख्य मार्गों पर अस्थायी बैरिकेडिंग की जाएगी। साथ ही, गंगा नदी में मोटर बोट व नावों की व्यवस्था, अनुभवी नाव चालकों की तैनाती और मेला क्षेत्र में समुचित अस्थायी प्रकाश व्यवस्था कराई जाएगी। नगर पालिका द्वारा गठित यह समिति इन सभी प्रमुख व्यवस्थाओं के साथ-साथ मेले की अन्य तैयारियों को सुचारू रूप से संचालित कराने में सक्रिय सहयोग करेगी। प्रशासन और नगर पालिका का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गंगा स्नान के लिए पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और मेला शांतिपूर्ण व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

जेवर में तीन बंद मकानों के ताले तोड़कर लाखों के जेवरात व नकदी चोरी



जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे के मंगरौली रोड स्थित मोहल्ले में बीती रात अज्ञात चोरों ने तीन बंद मकानों को निशाना बनाते हुए उनके ताले तोड़कर लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। पीड़ित परिवारों ने जेवर कोतवाली पुलिस को मामले की लिखित शिकायत दी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच के लिए सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से जिला अलीगढ़ के गांव मानपुर निवासी सेवानिवृत्त फौजी दिलबाग सिंह अपने परिवार के साथ जेवर के मोहल्ला मंगरौली रोड पर रहते हैं। दीपावली के पर्व पर वह परिवार सहित अपने पैतृक गांव गए हुए थे। पीछे से अज्ञात चोरों ने उनके मकान का मुख्य ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी का ताला चटकाकर उसमें रखी सोने की चेन, कानों की झुमकी, सोने का पेंडल, सोने की अंगूठी, एक चांदी की अंगूठी तथा 50 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए।चोरी की दूसरी वारदात पड़ोस में रहने वाले कालीचरण के मकान में हुई, जो वर्तमान में सेना में तैनात हैं। वह भी दीपावली मनाने के लिए अपने पैतृक गांव नीमका गए हुए थे। चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़कर अलमारी में रखी सोने की चेन, सोने की अंगूठी, कानों की सोने की बाली, एक मंगलसूत्र, एक चांदी की पायल और 50 हजार रुपये की नकदी पार कर दी। तीसरी घटना पड़ोस में ही रहने वाली शालू देवी पत्नी रोहित के मकान में हुई। शालू देवी जेवर के कन्या इंटर कॉलेज में शिक्षिका हैं और त्योहार पर परिवार के साथ अपनी ससुराल मेरठ गई हुई थीं। चोरों ने उनके घर का भी ताला तोड़कर नकदी व जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। सुबह पड़ोसियों ने मकानों के ताले टूटे देख फोन के माध्यम से पीड़ित परिवारों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही जेवर कोतवाली पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ितों व आसपास के लोगों से मामले की जानकारी जुटाई। जेवर चौकी प्रभारी सन्नी कुमार ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर को जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया है।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर दादरी पालिका सतर्क, अधिशासी अधिकारी ने घाटों का किया निरीक्षण



दादरी (शिखर समाचार)। आगामी छठ महापर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिका परिषद दादरी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 12 नवंबर को अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता ने पालिका टीम के साथ क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शालिनी गुप्ता ने घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता, बैरिकेडिंग और समतलीकरण के कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि छठ महापर्व से पहले सभी आवश्यक तैयारियां हर हाल में पूरी कर ली जाएं, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने विशेष रूप से घाटों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, गहरे पानी वाले स्थानों पर सुरक्षा घेरा लगाने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या-16 के सभासद आदेश भाटी (टोनी), अवर अभियंता (सिविल) जयपाल, उत्कर्ष सिंह तोमर, तकनीकी सहायक, अरुण कुमार, सोहराब और सोबीर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव दिए। अधिशासी अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों को इन सुझावों पर तत्काल अमल करने और सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए।

शामली शुगर मिल में नए पेराई सत्र का आगाज, पहले दिन किसानों का फूलमालाओं से स्वागत



शामली (शिखर समाचार)। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शामली शुगर मिल में गुरुवार को नए पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ हो गया। सत्र के पहले दिन गन्ने से भरे वाहनों के साथ मिल पहुंचे किसानों का मिल अधिकारियों ने स्वागत किया। पहली भैंसा बुग्गी लेकर पहुंचे गांव सिंभालका निवासी किसान शीशपाल और पहली ट्रैक्टर-ट्राली लेकर आए गांव ऐरटी निवासी किसान देवेंद्र कुमार को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। दोनों किसानों को मिष्ठान खिलाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया।

चीनी मिल के महाप्रबंधक गन्ना सतीश बालियान ने बताया कि गुरुवार सुबह 11:45 बजे मिल में गन्ने की पेराई शुरू कर दी गई। शुक्रवार सुबह छह बजे तक लगभग 25 हजार कुंतल गन्ने की पेराई होने का अनुमान है। नए पेराई सत्र के शुरू होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों को राहत मिली है। अब किसान नियमित रूप से अपनी गन्ने की उपज मिल में पहुंचा सकेंगे। सतीश बालियान ने किसानों से अपील की कि वे मिल में साफ-सुथरा और अच्छी गुणवत्ता वाला गन्ना ही लेकर आएं, ताकि पेराई कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके और किसानों को भी अपनी उपज का उचित लाभ मिल सके। इस अवसर पर इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख कुलदीप त्यागी, उत्पादन विभाग के प्रमुख जगवीर सिंह, लेखा विभाग के प्रमुख जेके पांडे, मानव संसाधन विभाग के प्रमुख गौरव कर्णवाल, दीपक राणा, आशुतोष गोयल, उमेश कौशिक सहित मिल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता पर एसपी की नजर, व्यवस्थाओं का लिया जायजा



शामली (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत अभ्यर्थियों के मेडिकल परीक्षण और शारीरिक नाप-तौल की प्रक्रिया पुलिस लाइन शामली में जारी है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने एएसपी सुमित शुक्ला के साथ पुलिस लाइन पहुंचकर भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने अभ्यर्थियों के मेडिकल परीक्षण, शारीरिक माप-जोख और भर्ती के विभिन्न चरणों की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अब तक पूरी हुई प्रक्रिया और अभ्यर्थियों की सुविधाओं के लिए की गई व्यवस्थाओं के बारे में भी पूछताछ की। एसपी एनपी सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया शासन और पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुसार पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाए। मेडिकल परीक्षण तथा शारीरिक नाप-तौल के दौरान निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए और सभी अभ्यर्थियों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अभ्यर्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पेयजल, बैठने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, समयबद्ध और त्रुटिरहित तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया। एसपी ने स्पष्ट किया कि भर्ती के किसी भी चरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुरूप ही संपन्न कराई जाए।

छठ पूजा 2026: ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में घाटों की तैयारियां अंतिम चरण में, अधिकांश स्थानों पर कार्य पूर्ण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी छठ पूजा 2026 को लेकर ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अस्थायी तालाबों और घाटों के निर्माण व सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। पर्व को लेकर विभिन्न वर्क सर्किलों के अंतर्गत आने वाले सभी पूजा स्थलों पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार, वर्क सर्किल-1 व 2 के तहत ग्राम यूसुफपुर चकशाहबेरी स्थित श्रीराम अपार्टमेंट के पास और वर्क सर्किल-3 के अंतर्गत सेक्टर टेकजोन-4 स्थित तिकोना पार्क (निराला एस्टेट) व ग्राम सूरजपुर में छठ पूजा स्थल की वर्तमान स्थिति पूरी तरह संतोषजनक है। इसके साथ ही वर्क सर्किल-4 में सेक्टर केपी-1 स्थित आईईसी कॉलेज के पास सिविल से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, जबकि वर्क सर्किल-5 के अंतर्गत ग्राम ब्रह्मपुर राजरौला उर्फ नवादा में भी घाट की स्थिति संतोषजनक पाई गई है। सबसे अधिक घाटों वाले वर्क सर्किल-6 के अंतर्गत सेक्टर म्यू-1, म्यू-2 (29.76 व 40.00 वर्गमीटर भवन), ज्यू-1 (ईडब्ल्यूएस सोसाइटी व मंदिर के समीप), ज्यू-2 (पार्क के अंदर), तथा ज्यू-3 के ब्लॉक-ए, बी व सी में घाटों की रंगाई-पुताई और साफ-सफाई का कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है। इसी प्रकार ओमीक्रॉन-1, ओमीक्रॉन-2, ओमीक्रॉन-3 और ओमीक्रॉन-1ए (मंदिर के समीप व काली बिल्डिंग के अंदर) में भी पूजा स्थलों पर साफ-सफाई और रंगाई-पुताई का काम पूरा हो चुका है। प्रशासन और प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा सभी व्यवस्थाओं पर पैनी नजर रखी जा रही है। वर्क सर्किल-8 के अंतर्गत ग्राम कासना में थाना कासना के पास स्थित घाट पर साफ-सफाई का कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिसे आज शाम तक पूरी तरह पूर्ण करा लिया जाएगा, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।



फ्लाईओवर निर्माण और गन्ना भुगतान को लेकर एक दिसंबर से भाकियू रक्षक का अनिश्चितकालीन आंदोलन



सहारनपुर (शिखर समाचार)। नागल कस्बे के बस अड्डे पर फ्लाईओवर निर्माण, वन चेतना पार्क के जीर्णोद्धार और बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल पर किसानों के बकाया गन्ना भुगतान सहित क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (रक्षक) आगामी एक दिसंबर से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेगी। ब्लॉक चौराहा स्थित संगठन के शिविर कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह ने आंदोलन की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि नागल बस अड्डे से होकर राज्य राजमार्ग गुजरता है, जहां दिनभर भारी और हल्के वाहनों की आवाजाही रहती है। इसके चलते पिछले वर्षों में दर्जनों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवा चुके हैं, जबकि आए दिन दुर्घटनाओं में लोग घायल होते हैं। संगठन लंबे समय से यहां फ्लाईओवर निर्माण की मांग उठा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व जिलाधिकारी मनीष बंसल के कार्यकाल में संगठन ने बस अड्डे पर करीब 19 दिन तक धरना दिया था। उस दौरान जिलाधिकारी ने धरनास्थल पर पहुंचकर फ्लाईओवर बनवाने का आश्वासन दिया था, लेकिन मांग अब तक पूरी नहीं हुई। चौधरी वीरेंद्र सिंह ने वन चेतना पार्क की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि शासन ने वर्षों पहले लाखों रुपये खर्च कर इसे कस्बे के लोगों की सुविधा के लिए बनवाया था, लेकिन आज यह कूड़े और खंडहर में तब्दील हो चुका है। उन्होंने इसके जीर्णोद्धार की मांग की। इसके अलावा उन्होंने बताया कि बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल पर किसानों का पिछले वर्ष का करीब 75 करोड़ रुपये गन्ना भुगतान बकाया है। उन्होंने मिल प्रबंधन को चेतावनी दी कि यदि 30 नवंबर तक पूरा बकाया भुगतान नहीं किया गया तो संगठन मिल के खिलाफ कड़ा कदम उठाएगा। बैठक में प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र सैनी, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र लाखनोर, अनिल स्वामी, बिल्लू त्यागी, मोना सैनी, गजेंद्र नौसरान, बलविंदर, अमरीश मलिक, राहुल फौजी, अनमोल अरोड़ा और शिवम चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेकाबू ट्रक ने हाईवे किनारे दुकानों और होटलों को रौंदा, लाखों का सामान तबाह

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर देर रात तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे स्थित कई मुर्गे की दुकानों और होटलों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में करीब पांच दुकानों और होटलों को भारी नुकसान पहुंचा। दुकानों की टीन की छतें टूटकर बिखर गईं, जबकि अंदर रखा कीमती सामान, खाना बनाने के बर्तन और अन्य उपकरण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस भीषण हादसे में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।



मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार रात करीब 12 बजे सहारनपुर की ओर से तेज गति से आ रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और हाईवे किनारे बनी दुकानों तथा होटलों में जा घुसा। ट्रक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकानों की टीन शेड उखड़कर दूर जा गिरी और वहां रखा सामान टूट-फूट गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में ओसामा, शारिक, नाजिम और बंटी सहित करीब पांच दुकानदारों और होटल संचालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि इस घटना में दुकानदारों का लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

राष्ट्रीय शिखर
सच की स्वतंत्र आवाज
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

सोनिया गांधी की किताब कितना कुछ बताती है और क्या अब भी अनकहा है?

राजनीति में कुछ किताबें केवल लेखक की जिंदगी का दस्तावेज नहीं होतीं, बल्कि वे देश के इतिहास, सत्ता के संघर्ष और राजनीतिक रिश्तों के उन पहलुओं को भी सामने लाती हैं, जिन पर लंबे समय तक पर्दा पड़ा रहता है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव ऐसी ही एक पुस्तक है। 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित इस पुस्तक ने भारतीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि सोनिया गांधी ने अपनी जिंदगी के कितने पन्ने खोले हैं और देश के राजनीतिक इतिहास से जुड़े कितने महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित छोड़ दिए हैं। सोनिया गांधी का जीवन असाधारण घटनाओं से भरा रहा है। इटली से भारत आकर गांधी परिवार की बहू बनना, राजीव गांधी से विवाह, इंदिरा गांधी के साथ पारिवारिक जीवन और फिर इंदिरा गांधी तथा राजीव गांधी की हत्या जैसी त्रासदियों का सामना करना उनके जीवन के ऐसे अध्याय हैं, जिन्होंने उन्हें व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों स्तरों पर प्रभावित किया। लंबे समय तक राजनीति से दूरी बनाए रखने के बाद कांग्रेस की कमान संभालना और देश की सत्ता की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना उनकी यात्रा का दूसरा बड़ा पक्ष है। पुस्तक में पारिवारिक जीवन, निजी दुख, राजीव गांधी के साथ बिताए पलों और इंदिरा गांधी की हत्या के बाद परिवार की मनःस्थिति का उल्लेख पाठकों को एक अलग सोनिया गांधी से परिचित कराता है। पुस्तक का महत्वपूर्ण हिस्सा वर्ष 1984 की घटनाओं से जुड़ा है। ऑपरेशन ब्लू स्टार, इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद हुए सिख विरोधी दंगों का उल्लेख करते हुए सोनिया गांधी ने उस दौर की पीड़ा और त्रासदी को सामने रखा है। उन्होंने दंगों को देश के इतिहास का शर्मनाक अध्याय बताया है और हिंसा रोकने में नाकाम रहे प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। हालांकि राजीव गांधी की भूमिका का बचाव भी किया गया है। यही वह विषय है जहां पुस्तक की निष्पक्षता पर बहस होना स्वाभाविक है। हजारों निर्दोष लोगों की जान लेने वाली हिंसा के लिए राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही का सवाल आज भी महत्वपूर्ण है। पीड़ित परिवारों को न्याय और दोषियों की जिम्मेदारी तय करने का प्रश्न किसी एक राजनीतिक व्याख्या से समाप्त नहीं हो सकता। आपातकाल का प्रसंग भी पुस्तक को विशेष महत्व देता है। वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल में नागरिक स्वतंत्रताएं सीमित हुईं, विपक्षी नेताओं को जेल भेजा गया और प्रेस पर सेंसरशिप लागू हुई। सोनिया गांधी ने उस दौर में इंदिरा गांधी की मानसिक स्थिति, राजनीतिक दबाव और अकेलेपन का उल्लेख किया है। इससे तत्कालीन प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत अनुभवों को समझने में मदद मिल सकती है, लेकिन किसी फैसले के पीछे की परिस्थितियां समझना और उसके परिणामों की जिम्मेदारी स्वीकार करना अलग-अलग बातें हैं। लोकतंत्र में आपातकाल के दौरान हुए अधिकारों के हनन को केवल व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। सोनिया गांधी के जीवन का एक और चर्चित फैसला वर्ष 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करना था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की जीत के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री बनने से इनकार कर डॉ. मनमोहन सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। भारतीय राजनीति में इस निर्णय को लंबे समय तक चर्चा और बहस का विषय माना गया। पुस्तक में इस फैसले के पीछे उनकी सोच और परिस्थितियों को समझने का अवसर मिलता है। लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके लंबे कार्यकाल, पार्टी के भीतर हुए विवादों, गठबंधन की राजनीति और सत्ता संचालन से जुड़े सवालों पर कितनी स्पष्टता से चर्चा की गई है, यह भी पुस्तक के मूल्यांकन का महत्वपूर्ण आधार होगा। पुस्तक के प्रकाशन से पहले प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ कथित मतभेदों की खबरें भी सामने आई थीं। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार की आलोचना से संबंधित सामग्री को लेकर प्रकाशक असहज था और कुछ बदलावों के सुझावों पर सहमति नहीं बनने के कारण प्रकाशन आगे नहीं बढ़ पाया। प्रकाशक ने उनके इस विवरण से असहमति जताई। बाद में हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने पुस्तक प्रकाशित की।

~ मौलिक चिंतन ~

'लोग क्या सोचेंगे', जिस दिन यह सोचना बंद कर दिया, उस दिन से आगे बढ़ने का हौसला अपने आप आ जायेगा।



© विनय संकोची

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति



डॉ. सत्यवान सौरभ

जनसंख्या नियंत्रण नहीं, मानव विकास और भविष्य की तैयारी है समय की मांग

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है। प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा।

जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी।

ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए। जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है।

भारत के सामने वास्तविक चुनौती जनसंख्या को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि जनसंख्या की बदलती संरचना के अनुरूप सार्वजनिक नीतियों का निर्माण करना है। वृद्धजनों के लिए व्यापक पेंशन व्यवस्था, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था देखभाल केंद्र तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग की आबादी को उत्पादक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा। जनसांख्यिकीय लाभांश तभी वास्तविक आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो सकता है, जब युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए। परिवार नियोजन का उद्देश्य महिलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें सूचित और स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की संख्या के आधार पर राजनीतिक अधिकारों अथवा सार्वजनिक अवसरों से वंचित करना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के व्यापक उद्देश्य को कमजोर कर सकता है।

भारत को जनसंख्या नियंत्रण की पुरानी अवधारणा से आगे बढ़कर जनसंख्या प्रबंधन और मानव विकास की व्यापक नीति अपनानी चाहिए। इसमें क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय जरूरतों के अनुसार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वृद्धजन कल्याण, श्रम बाजार की तैयारी और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जनसंख्या संबंधी नीतियों का मूल्यांकन केवल जन्म दर के आंकड़ों से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समानता के आधार पर किया जाना चाहिए।

अंततः, जनसंख्या किसी राष्ट्र के लिए केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी मानवीय क्षमता और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब होती है। भारत की घटती प्रजनन दर हमें यह अवसर प्रदान करती है कि हम दंडात्मक नियंत्रण के बजाय अधिकार-आधारित, वैज्ञानिक और संवेदनशील नीतियों की दिशा में आगे बढ़ें। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब उसके युवा शिक्षित और रोजगारयुक्त होंगे, महिलाएं स्वतंत्र होंगी और वृद्धजन सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। अब आवश्यकता जनसंख्या पर नियंत्रण की नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विकास और बदलती जनसांख्यिकी के अनुरूप राष्ट्र निर्माण की है।

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर, भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है



प्रहलाद सबनानी

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रश्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अतः पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं।

11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - 'मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था।' स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि 'साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता।'

स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है।

'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।'

अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की अनुभूति में था। स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि ÷भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है। सौभाग्य से भारत में सनातन काल से चलती आई परम्परा, जो अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों की प्रत्यक्ष अनुभूतियों से निरंतर स्पष्ट व पुष्ट होती आयी है, वह हमें बताती है कि सृष्टि की विविधता जितनी स्वाभाविक परंतु परिवर्तनशील है उतनी ही सम्पूर्ण अस्तित्व की एकता शाश्वत, अटल व अचल सत्य है। मनुष्य विचारशील प्राणी होने के नाते उस एकता को स्वयं में तथा जगत में अनुभव कर सकता है। यह करने से ही शाश्वत व नित्य सुख के खोज की जीवमात्र की यात्रा सफल व पूर्ण होती है। सभी विविधताओं को सम्मान देते हुए एवं स्वीकार करते हुए उनको संरक्षण देने का भारत का स्वभाव तथा जो परिवर्तनीय एवं/अथवा कालविसंगत है उसे बदलते रहने का लचीलापन इसी सनातन दृष्टि का परिणाम है। जब जब भारत के जनों में यह भाव सर्वोच्च रहा तब तब भारत विश्व का सभी दृष्टि से आदर्श राष्ट्र रहा। जब आत्मविस्मृति, विघटन व परस्पर सम्पर्क टूटने के कारण हम बलहीन, संकुचित, अहंकारी अथवा भयग्रस्त हो गए, हमने इस आचरण को त्याग दिया, तब हमारी दुर्गति हुई।' डा भागवत जी आगे कहते हैं कि 'विश्व में भारत के प्रति एक कुतूहल जाग रहा है। जड़वाद, व्यक्तिवाद तथा संयम रहित उपभोग पर आधारित अधूरी दृष्टि के कारण भौतिक दृष्टि से सम्पन्न होते हुए भी वे देश चिंता में हैं। विविधताओं को कैसे सम्भालना, विकास व पर्यावरण को कैसे साथ चलाना, जो अपने जैसे नहीं हैं उनसे अपनेपन से कैसे बरतना, कुटुंबजीवन के तथा नई पीढ़ियों में संस्कारों के क्षरण को कैसे रोकना आदि समस्याओं का उत्तर उनके पास नहीं है। इसीलिए विश्व आज भूराजनैतिक तनावों के, आर्थिक अनिश्चितता के, पर्यावरणीय संकट के और वर्चस्व की लड़ाई में विनाश को देख रहा है। भारत के पास इन सब समस्याओं के सारे उत्तर हैं, यह वे जानते हैं।' अब यह कहा जा सकता है कि 'हिंदू भाव व हिंदू स्वभाव ही हमारी एकता का आधार है। कोई विशिष्ट पूजा पद्धति, कोई विशिष्ट खान पान, रहन सहन, कोई सामाजिक या राजनीतिक मतवाद किसी विशिष्ट जाति, भाषा, प्रांत इस की अनिवार्यता इसमें नहीं है। इन सब से ऊपर आध्यात्मिकता, मानवता तथा विश्वबंधुत्व ही इसके लक्षण हैं। भारतीयों में इस भाव के विद्यमान होने से ही 'भा' याने ज्ञान के प्रकाश में रत भारत यह भारतीयतता की एक परिभाषा बनी है। पूरे विश्व को जोड़ सकने वाले व जोड़ना चाहने वाले इस हिंदू भाव का स्मरण व पोषण भारत की प्रगति व एकता की अनिवार्य आवश्यकता है। भारत में इस भाव का रूप उत्कट भारत भक्ति, हम सभी भारतीयों में अपनी समान पूर्वज परम्परा का गौरव एवं आदर्श तथा भारत की सनातन संस्कृति के मूल्यबोध के अनुरूप स्वयं के जीवन को गढ़ते जाना है।

पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल



ललित गर्ग

'अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा।



अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ''किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता।'' अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।

पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है; चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगाकृ''अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं।'' यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ''कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मर्यादा दोनों साथ-साथ चलती हैं।'' किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी।

हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। ''दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है।'' भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन 'लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता।' भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ''भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके।'' भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए।

'अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है।'' पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा। समय आ गया है कि वाशिंगटन कानून की प्रक्रिया और राजनीति के बीच की महीन रेखा को समझे तथा भारत की संवेदनशीलता और संप्रभु अधिकारों का पूरा सम्मान करे।



ऊनी कपड़ों से है एलर्जी तो करें ये काम

सर्दियों के मौसम में सर्द हवाओं से बचने के लिए गर्म ऊनी कपड़े पहनते हैं। ऊनी गर्म कपड़े सर्दी से तो बचाते ही हैं इसके साथ ही यह इस मौसम में स्टाइल स्टेटमेंट का भी खास हिस्सा माने जाते हैं। आप शॉल, जैकेट्स, स्वैटर, पोंचू आदि पहन कर भी फैशनेबल दिख सकते हैं लेकिन कई बार गर्म कपड़ों के फैब्रिक से एलर्जी कुछ लोगों को स्किन एलर्जी की परेशानी भी हो जाती है। ऐसी खासकर पश्मीना फैब्रिक से बने कपड़ों से यह समस्या ज्यादा होती है। इससे स्किन पर लालगी, खुजली या रैशेज हो सकते हैं। आप भी इससे परेशान हैं तो जानें किस तरह से करें इससे अपना बचाव।



ऊन से एलर्जी की पहचान

एलर्जी दो तरह की हो सकती है एक जिनकी स्किन सेंसिटिव होती है उन्हें और दूसरी जिनकी त्वचा शुष्क होती है। आप इससे अपना बचाव कर सकते हैं।

- शरीर पर खारिश होना
- लाल दाने होना
- जलन होना आदि

ऐसे करें बचाव

गुनगुने पानी से नहाएं

ज्यादा गर्म पानी से नहा कर भी त्वचा में रूखापन आ जाता है। नहाने से पहले त्वचा पर ग्लिसरीन और गुलाब जल लगा कर गुनगुने पानी से नहाएं।

जैतून तेल से मसाज

त्वचा पर रूखापन न होने दें और क्रीम की जगह पर ऑलिव ऑयल से स्किन की पहचान करें।

कॉटन के इनरवियर पहनें

सर्दी से बचने के लिए ऊनी कपड़े पहनने बहुत जरूरी है लेकिन इनसे पहले कॉटन के इनरवियर पहनें। इससे ऊन स्किन पर टच नहीं करेगी। एलर्जी से भी बचाव रहेगा।

एलर्जी को पहचाने

पहले यह पहचानना बहुत जरूरी है कि आपको किस वुलेन फैब्रिक से एलर्जी है। वह फैब्रिक पहनने से परहेज करें। ज्यादातर लोगों के पशमीना पहनने से संक्रमण होता है।

धूप लगाएं

कपड़े बहुत समय से बंद करके रखे हैं तो इनको धूप जरूर लगवाएं। इससे एलर्जी होने का डर कम रहता है।



औषधीय गुणों से भरपूर है आक का पौधा

औषधिय गुणों से भरपूर आक के पौधे का इस्तेमाल पूजा के लिए किया जाता है। पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाला यह पौधा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके फूल-पत्तियों का इस्तेमाल अस्थमा, डायबिटीज, कुष्ठ रोग और बवासीर जैसी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। मदार, अर्क या अकोवा के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे से और भी स्किन में एलर्जी या खुजली जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। विषैला होने के बावजूद भी इस पौधे में कई औषधिय गुण पाएं जाते हैं। तो आइए जानते है किस तरह इस पौधे के फूल, पत्ते का इस्तेमाल से बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है।

अस्थमा

इसके फूलों को सूखा कर रोजाना इसका चूर्ण खाने से अस्थमा, फेफड़ों के रोग और शरीर की कमजोरी दूर हो जाती है।



खुजली

स्किन में एलर्जी या रूखेपन के कारण खुजली की समस्या हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए इसकी जड़ को जला लें। इसकी राख को कड़वे तेल में मिलाकर खुजली वाली जगहें पर लगाएं। खुजली की परेशानी दूर हो जाएगी।

डायबिटीज

रोजाना सुबह इस पौधे की पत्तियों को पैर के नीचे रख कर जुराबें डाल लें। रात को सोने से पहले इस पत्ते को निकाल दें। इसका इस्तेमाल शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है।

कुष्ठ रोग

इसकी पत्तियों को पीस कर सरसों के तेल में मिक्स करें। इसे कुष्ठ रोग के घाव पर लगाएं। इसे नियमित रूप से लगाने पर घाव जल्दी भर जाएंगे।

बवासीर

आक का पत्ता और डण्ठल को पानी में भिगो दें। इसे पीने से बवासीर की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

चोट लगना

शरीर के किसी भी हिस्से में चोट लगने पर आक के पत्तों को गर्म करके बांध लें। इससे चोट से खून बहना बंद होने के साथ-साथ दर्द और सूजन भी दूर हो जाएगी।



सर्दियों में जरूर खाएं कमरख

सर्दी के मौसम में लोग अपनी सेहत का खास ख्याल रखते है। क्योंकि इस मौसम में बीमारियां होने का डर सबसे ज्यादा होता है। बीमारियों से दूर रहने के लिए लोग अपनी डाइट में कई हेल्दी चीजें जैसे गर्म मसाले, फल और सब्जियां शामिल करते है लेकिन इसके बावजूद भी कई प्रॉब्लम हो ही जाती है। ऐसे में सर्दियों में मिलने वाला खट्टा कमरख यानि स्टार फ्रूट का सेवन सेहत की कई समस्याओं को दूर करता है। कैलोरी, विटामिन सी और मिनरल्स के गुणों से भरपूर स्टार फ्रूट का सेवन आपकी कई हेल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। आइए जानते है रोजाना 1 स्टार फ्रूट का सेवन कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

त्वचा संबंधी समस्याएं

सर्दियों में त्वचा संबंधी समस्याएं होना आम बात हैं। ऐसे में स्टार फ्रूट का सेवन स्किन इंफेक्शन, रूखापन, रैशेज और दाद-खुजली की परेशानी को दूर करता है।

प्रतिरोधक क्षमता

पोषक तत्व और विटामिन सी के गुणों से भरपूर स्टार फ्रूट का सेवन शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, जिससे आप सर्दी में होने वाली समस्याओं से बचे रहते है। इसके अलावा इससे शरीर में ताजगी और एनर्जी भी बनी रहती है।

कैंसर

इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स तत्व शरीर में कैंसर कोशिकाओं को विकसित होने से रोकते है। इससे आप कैंसर जैसी बड़ी बीमारी से बचे रहते है। इसके अलावा इसका सेवन पेट में कीड़ों की समस्या से भी छुटकारा दिलाता है।

भूख न लगना

इस मौसम में ज्यादातर लोगों को भूख और प्यास नहीं लगती है, जिससे शरीर कमजोर होने के साथ-साथ कई तरह बीमारियां भी हो जाती है। ऐसे में सुबह स्टार फ्रूट के एक गिलास जूस में चीनी मिलाकर पीएं। 3-4 दिन में ही असर दिखने लगेगा।

ड्रैंडफ

सर्दी के मौसम में अक्सर बालों में ड्रैंडफ की समस्या देखने को मिलती है। ऐसे में स्टार फ्रूट और बादाम के तेल को मिक्स करके हफ्ते में 2 बार लगाएं। इससे ड्रैंडफ खत्म होने के साथ-साथ बाल भी चमकदार हो जायेंगे।

हैंगओवर

हैंगओवर होने पर आप नींबू के रस या चाय का सेवन करते है लेकिन इसके रस का सेवन करने से आपका हैंगओवर 5 मिनट में ही दूर हो जाता है।

दिल की बीमारियां

इसमें मौजूद विटामिन, राइबोफ्लेविन, एंटीऑक्सीडेंट और फोलिक एसिड शरीर से दिन की बीमारियों को दूर रखता है। इसके अलावा नियमित रूप से इसका सेवन हार्ट अटैक के खतरे को भी कम करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

मैग्नीशियम और विटामिन बी6 के गुणों के कारण यह आंखो के लिए फायदेमंद होता है। इससे आंखों में लालपन, सूजन, दर्द, पानी निकलना और कम दिखाई देने की समस्या दूर होती है।



यूरिन इंफैक्शन यानी पेशाब करते समय जलन या दर्द होना। यह समस्या स्त्री या पुरूष दोनों को कभी भी हो सकती है। कई बार तो यह समस्या कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती है लेकिन बहुत सी बार डॉक्टरों के पास जाने तक की नौबत आ जाती है। हम लोग अक्सर यूरिन इंफैक्शन को अनदेखा कर देते है जो बाद में कई समस्याओं का कारण बनता है। ऐसे आपको चाहिए कि जब भी यूरिन करते समय जलन या दर्द हो तो तुरंत इलाज शुरू कर दें, ताकि बाद में किसी प्रकार की कोई बड़ी बीमारी होने का खतरा टल जाए। आज हम आपको यूरिन इंफैक्शन के कारण, लक्षण और इसके इलाज के लिए कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिन्हें आप घर पर ही ट्राई करके देख सकते है।

यूरिन में जलन के कारण

- मूत्र मार्ग में संक्रमण या ब्लैडर में सूजन
- किडनी में पथरी होना
- शरीर में पानी की कमी
- लीवर प्रॉब्लम होना
- रीढ़ की हड्डी में चोट लगना
- शुगर की बीमारी होना

यूरिन में जलन के लक्षण

- यूरिन से स्मैल आना
- ब्लैडर में दर्द रहना
- बार-बार यूरिन आना
- यूरिन का रंग पीला हो जाना
- बूंद-बूंद पेशाब आना
- पेट और मूत्र मार्ग में जलन

अनदेखा न करें यूरिन इंफैक्शन

बनता है कई समस्याओं का कारण

चलिए आपको बताते है पेशाब करते समय जलन और दर्द के कुछ घरेलू इलाज-

अधिक पानी पीना

अगर यूरिन लग कर आ रहा है तो हर एक घंटे में पानी का गिलास पीएं। इससे ब्लैडर में जमा हुए बैक्टीरिया बाहर निकल जाएगे और शरीर में पानी की कमी भी नहीं होगी।

सिट्रिक एसिड युक्त फल

जिन फलों और सब्जियों में सिट्रिक एसिड की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें। यह एसिड यूरिन इंफैक्शन बनाने वाले बैक्टीरिया को खत्म कर देता है। ऐसे में खट्टे फल यानी नींबू, मौसमी अन्य आदि का सेवन करें।

नारियल पानी पीएं

नारियल पानी पीने से भी यूरिन के दौरान होने वाली जलन कम हो सकती है। साथ ही रोजाना नारियल पानी पीने से शरीर को पानी और मिनरल्स भरपूर मात्रा में मिलते है।

चावल का पानी

आधा गिलास चावल के पानी में चीनी मिलाकर पीने से यूरिन में होने वाली जन कम हो सकती है।

बादाम और इलायची

बादाम की 5 गिरी में 7 छोटी इलायची और मिसरी डालकर पीस लें। फिर इसे पानी में घोलकर पीएं। इससे दर्द और जलन कम होती है।

आयुर्वेदिक उपचार

आंवला और इलायची

आंवले का चूर्ण में इलायची मिलाकर पानी के साथ पीएं। इससे यूरिन की जलन कम होगी।

बेकिंग सोडा और पानी

अगर यूरिन इंफैक्शन के दौरान बार-बार पेशाब आए तो 1 गिलास पानी में 1 चम्मच सोडा मिलाकर पीएं। इससे एसिडिटी और जलन की समस्या कम होगी।

गेहूं और मिसरी

रात को सोने से पहले 1 मुट्ठी गेंहू को पामी में भिगोएं और सुबह उसी पानी को छान लें। फिर उसमें मिसरी मिलाकर खाएं।

जापान ने आंध्र प्रदेश से दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति का आग्रह किया

विशाखापत्तनम में सीएम नायडू से मिले जापानी राजदूत

विशाखापत्तनम ।

जापान ने आंध्र प्रदेश से अपने लिए दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। हाल ही में विशाखापत्तनम में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ हुई बैठक में जापानी राजदूत केईची ओनो ने इस मुद्दे को उठाया। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जापानी प्रतिनिधियों ने इस सहयोग को महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में भारत-जापान साझेदारी के लिए अहम बताया। यह कूटनीतिक पहल आंध्र प्रदेश सरकार की राज्य के तटीय क्षेत्र को दुर्लभ खनिज तत्व गलियारे के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना के अनुरूप है। राज्य में 16,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 16 प्रकार के खनिज भंडार चिन्हित किए गए हैं, जिसमें देश के समुद्र तटीय रेत खनिज भंडार का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा शामिल है, जो आंध्र प्रदेश को इन महत्वपूर्ण संसाधनों का दूसरा सबसे बड़ा भंडार बनाता है।

एचएफसीएल को 834 करोड़ के निर्यात ठेके मिले

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए करीब 834.36 करोड़ रुपये (लगभग 88.94 करोड़ डॉलर) के निर्यात ठेके मिले हैं। ठेके जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। हालांकि, कंपनी ने ग्राहक की पहचान उजागर नहीं की। एचएफसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा` कि ये ठेके कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और उत्पादों की गुणवत्ता में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने ऑप्टिकल फाइबर और ऑप्टिकल फाइबर केबल की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपये के नए निवेश को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विस्तार के लिए धन की व्यवस्था आंतरिक स्रोतों से जुटाई गई राशि और कर्ज के जरिये की जाएगी। इसके जुलाई 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

रिन्यू आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ का निवेश करेगा

विशाखापत्तनम ।

आंध्र प्रदेश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने राज्य में 29,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा के बीच हुई बैठक में की गई। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें दो गीगावाट (जीडब्ल्यू) की पंप्ड स्टोरेज परियोजना शामिल है, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। दूसरी परियोजना हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन से संबंधित है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मंत्री लोकेश ने रिन्यू की 11,000 करोड़ रुपए की पॉलीसिलिकॉन और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकॉन परियोजना के लिए बधाई दी और कंपनी को आईआईटी तिरुपति व यूएनएसडब्ल्यू द्वारा स्थापित सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने का न्योता भी दिया।

अक्टूबर में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में 6,566 करोड़ का निवेश

सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

बाजार की उठापटक के बीच भी निवेशक गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) पर भरोसा बनाए हुए हैं। अक्टूबर में इन दोनों श्रेणियों में कुल 6,566 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जिसमें सिल्वर ईटीएफ में अच्छी वृद्धि देखी गई, वहीं गोल्ड ईटीएफ में मामूली गिरावट रही। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल शुद्ध निवेश में गोल्ड ईटीएफ का हिस्सा 3,474 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ का 3,092 करोड़ रुपये रहा। खास बात यह है कि सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई, पर यह पिछले छह महीने के औसत से 45 फीसदी अधिक है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। इसी कारण बाजार पर अंकुश लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 31.61 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,911.01 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 44.30 अंक की तेजी के साथ 25,299.35 पर बंद हुआ। यह बढ़त मुख्य रूप से रियल्टी और वित्तीय क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के कारण आई है। जिसने बाजार को स्थिरता मिली है।

दिन के अंत में रियल्टी शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया, निफ्टी रियल्टी सूचकांक तेजी के साथ शीर्ष पर रहा। इसके अतिरिक्त, निफ्टी मीडिया त, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी इंडिया डिफेंस बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में गिरावट भी दर्ज की गई, जिसमें निफ्टी ऑटो , निफ्टी पीएसई , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी कमोडिटीज की गिरावट के साथ बंद हुए।

प्रमुख सूचकांकों में आई हल्की तेजी के विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बड़ी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 519.90 अंक की उछाल के साथ 62,039.00 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 217.40 अंक की और भी मजबूत बढ़त दर्ज की, जो 19,706.75 पर पहुंचा।

आज सेंसेक्स पैक में, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, बीईएल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और



कोटक महिंद्रा बैंक जैसे प्रमुख शेयरों ने हरे निशान में कारोबार किया, जिससे सूचकांक को समर्थन मिला। दूसरी ओर, एचयूएल, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एमएंडएम, टाइटन, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल जैसे कई दिग्गज शेयरों में मुनाफावसूली के चलते गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। सेंसेक्स 169 अंकों की बढ़त पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी में भी 48 अंकों का उछाल आया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 32 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.03 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में मजबूती से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका में महंगाई तथा रोजगार के नवीनतम आंकड़ों से अमेरिकी कोष बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर मजबूत हुए हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये को समर्थन दे सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 93.73 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर 93.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ 103.03 पर आ गया।

पिछले पांच माह से घरेलू सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित

बांग्लादेश में 52 फीसदी की वृद्धि और पाकिस्तान में भी महंगाई की मार

नई दिल्ली ।

जहां एक ओर भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें पिछले करीब पांच महीनों से स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में उपभोक्ताओं को लगातार बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति भारतीय परिवारों के मासिक बजट के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जबकि पड़ोसियों के लिए एलपीजी अब एक महंगा बोझ बन गई है। बांग्लादेश में नवंबर में 12 किलो एलपीजी सिलेंडर का दाम 2,060 टका हो गया है, जो फरवरी से अब तक करीब 52 फीसदी की भारी वृद्धि दर्शाता है। पाकिस्तान में भी एलपीजी की कीमतें आसमान छू रही हैं; 11.8 किलो का घरेलू सिलेंडर अब लगभग 3,470 पाकिस्तानी रुपए का हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुछ इलाकों में यह खुले बाजार में 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, जो आम जनता के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। इसके विपरीत, भारत में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम जून 2023 से अपरिवर्तित हैं, दिल्ली में यह 942 रुपए पर कायम है। हालांकि भारत अपनी अधिकांश एलपीजी आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतें तथा आपूर्ति मार्गों में रुकावट के कारण आयात लागत बढ़ी है, सरकार और सरकारी तेल कंपनियां लागत का बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही हैं। जानकारों के मुताबिक, 1,600 रुपए से अधिक की वास्तविक आपूर्ति लागत के बावजूद, ग्राहकों को केवल 942 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं।

सोने की शुद्धता की गारंटी बढ़ी, 6 और नए जिलों में बढ़ा हॉलमार्किंग का दायरा

बिहार, दिल्ली, गुजरात, यूपी व उत्तराखंड के जिले शामिल; ग्राहकों को मिलेगी शुद्धता की गारंटी

नई दिल्ली ।

सोने की खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अनिवार्य गोल्ड हॉलमार्किंग का दायरा अब देश के 6 और जिलों तक बढ़ा दिया गया है, जिससे कुल 398 जिलों में बिना हॉलमार्क वाले सोने की बिक्री करना दंडनीय अपराध बन गया है। इस कदम का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को सोने की शुद्धता की शत-प्रतिशत गारंटी के रूप में मिलेगा। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत यह चौथा संशोधन आदेश लागू किया गया है। इसके बाद, अब 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 398 जिलों में बिना बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क और एचयूआईडी (हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन) के सोने के आभूषणों का निर्माण, भंडारण या बिक्री गैरकानूनी मानी जाएगी। नए शामिल किए गए 6 जिलों में बिहार का पश्चिमी चंपारण, दिल्ली का दक्षिण पश्चिम दिल्ली, गुजरात का पंचमहल, उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर और संत कबीर नगर, तथा उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यह नियम 14के से 24के तक की विभिन्न शुद्धता वाले सोने के आभूषणों पर लागू है, और इन जिलों के सभी ज्वेलर्स को बीआईएस पोर्टल पर



पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इस विस्तार से ग्राहकों को सोने की खरीद पर धोखाधड़ी से मुक्ति मिलेगी।

हॉलमार्किंग यह सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ता जो सोना खरीद रहे हैं, वह बिल पर दर्ज शुद्धता के अनुरूप ही हो। प्रत्येक हॉलमार्क वाले आभूषण पर मौजूद एचयूआईडी नंबर के जरिए, ग्राहक बीआईएस केयर मोबाइल ऐप पर सोने की पूरी जानकारी सत्यापित कर सकते हैं, जिससे खरीद में पूरी पारदर्शिता और विश्वास बना रहेगा।

भारत को एआई अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल निवेश और तकनीकी लाभ हासिल करने वाले देश के बजाय एक सक्रिय भागीदार बनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार एआई कारोबार, रोजगार और काम करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारत के पास अपनी तकनीकी प्रतिभा व मजबूत घरेलू बाजार के दम पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का बेहतरीन अवसर है, जबकि अमेरिका और चीन अभी अग्रणी हैं।

भारतीय कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नई तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इस बीच, यूरोप और ब्रिटेन में कुछ कंपनियों के कम मूल्यांकन से भारतीय फर्मों के लिए विदेश में वैश्विक ब्रांड, तकनीक और कारोबारी क्षमताएं हासिल करने के अवसर बढ़े हैं, खासकर औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में।



घरेलू पूंजी बाजार भी मजबूत स्थिति में है, जहां सात-आठ बड़े आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उचित मूल्यांकन पर आईपीओ, एफपीओ और ब्लॉक डील के माध्यम से अगले वर्ष भी लगभग 50 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई जा सकती है। विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर विकास संभावनाओं वाली कंपनियां और मजबूत कारोबारी माहौल अनुकूल कर व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

बजाज फाइनेंस क्यूआईपी से 11,700 करोड़ जुटाएगी



नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने कारोबार विस्तार के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 11,700 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की पेशकश शुरू की।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की विशेष समिति ने बैठक में पेशकश की शर्तों के अनुरूप पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए निर्गम खोलने को मंजूरी दी।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने बताया कि समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आईसीडीआर नियमों में निर्धारित मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर प्रति इक्विटी शेयर 992.25 रुपये का न्यूनतम मूल्य भी तय किया है।

अमूल-मदर डेयरी ने 2 से 4 रुपए तक बढ़ाए दाम

12 नवंबर से पूरे देश में नई दरें लागू

नइ दिल्ली ।

महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को एक और झटका लगा है। देश की दो प्रमुख डेयरी कंपनियों, अमूल और मदर डेयरी, ने 12 नवंबर गुरुवार से दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पूरे देश में लागू होगी, जिससे रसोई का बजट और प्रभावित होगा। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के अनुसार अमूल दूध की कीमतों में करीब 4 से 5 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। अमूल ताजा टोंड दूध (3 फीसदी फैट) अब 2 रुपये महंगा होकर 59 रुपये प्रति लीटर मिलेगा, जबकि अमूल गोल्ड (6 फीसदी फैट) की कीमत में 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मदर डेयरी ने भी अपनी विभिन्न किस्मों के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए हैं।



कंपनियों ने इस वृद्धि का कारण दूध उत्पादन और प्रसंस्करण लागत में लगातार हो रही वृद्धि को बताया है। पशु आहार जैसे हरा और सूखा चारा, खली, मक्का और शीरा के दाम बढ़ने के साथ-साथ पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। जीसीएमएमएफ ने यह भी बताया कि अनियमित बारिश के कारण पशुपालकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 2031 तक बढ़ी, नए उद्यमियों को मिलेगा लाभ

केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कारोबार शुरू करने में मदद करने वाली स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक बढ़ा दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विस्तार को मंजूरी दी, साथ ही योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज की गारंटी के लिए 4,111 करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत किया। इस कदम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इसके तहत पात्र आवेदक 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नया कारोबार स्थापित करने, मशीनरी खरीदने और शुरुआती खर्चों को पूरा करने में किया जा सकता है। योजना परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 85 फीसदी तक ऋण कवर करती है। यह योजना विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों में नया उद्यम शुरू करने के लिए सहायक है।

इसका मूल उद्देश्य पूंजी की कमी के कारण कारोबार शुरू करने में असमर्थ लोगों को अवसर प्रदान करना है। सरकार द्वारा स्वीकृत 4,111 करोड़ रुपए का गारंटी फंड ऋण राशि के 85 प्रतिशत तक का कवर प्रदान करेगा, जिसके लिए सामान्य गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, हालांकि ऋण की अंतिम मंजूरी आवेदक की पात्रता और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

किसानों को बड़ी राहत,गैर-यूरिया उर्वरकों पर रिकॉर्ड सब्सिडी

सरकार ने 62,370 करोड़ रुपये किए आवंटित

नई दिल्ली ।



केंद्र सरकार ने किसानों को बढ़ती उर्वरक कीमतों के बोझ से बचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसके तहत पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के लिए 62,370.02 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस फैसले से चालू वित्त वर्ष में गैर-यूरिया उर्वरकों पर कुल सब्सिडी बढ़कर रिकॉर्ड 1.03 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जो बजट अनुमान से 92.41 प्रतिशत अधिक है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में तेजी, विशेषकर सल्फर में भारी वृद्धि को देखते हुए उठाया गया है। सरकार ने विशेष रूप से सल्फर पर सब्सिडी में सबसे अधिक बढ़ोतरी की है, जो 2.87 रुपये से बढ़कर लगभग 10.42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। नाइट्रोजन पर 94.21 रुपये और फॉस्फोरस पर 66.11 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी तय की गई है। यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल, खासकर सल्फर की कीमतों में 213 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के जवाब में की गई है। सरकार ने घरेलू सल्फर और सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादकों के लिए भी विशेष सहायता पैकेज घोषित किया है, जिसके तहत उन्हें वास्तविक खरीद लागत का 20 प्रतिशत समर्थन मिलेगा। आयातित और घरेलू ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) तथा आयातित मोनो-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए विशेष प्रावधानों को भी आगे बढ़ाया गया है, साथ ही सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) पर मालभाड़ा सब्सिडी जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से जटिल एनपी और एनपीकेएस उर्वरकों की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिनका घरेलू उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हुआ था। यह निर्णय उर्वरक कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने और किसानों को संतुलित पोषक तत्वों वाले उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगा।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूत उछाल,लक्ष्य का 53 फीसदी

नई दिल्ली । सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.76 प्रतिशत बढ़कर लगभग 14.42 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह आंकड़ा सरकार के वार्षिक लक्ष्य का 53 प्रतिशत दर्शाता है, जो राजस्व संग्रह में मजबूत गति का संकेत है। इस अवधि में, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.32 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि व्यक्तिगत करदाताओं, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से प्राप्त शुद्ध गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 7.56 लाख करोड़ रुपये हो गया। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से मिलने वाले राजस्व में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो 54,078 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सरकार ने इस दौरान करदाताओं को 3.08 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 14 प्रतिशत बढ़कर 17.50 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष करों से 26.97 लाख करोड़ रुपये जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें से 10 नवंबर तक 53 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए करो या मरो वाला मुकाबला

श्रेयस की कप्तानी आज सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। टीम इंडिया फिलहाल सीरीज में 2-0 से आगे है और उसकी नजर इस मुकाबले को जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होगी। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करते नजर आएंगे, क्योंकि शुभमन गिल टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। चौथे वनडे में श्रेयस अय्यर के लिए सबसे बड़ी चुनौती कप्तानी के साथ बल्लेबाजी में भी खुद को साबित करने की होगी। वह पहली बार भारतीय वनडे टीम की कप्तानी संभालेंगे। हालांकि, इस सीरीज में उनकी बल्लेबाजी चर्चा का विषय रही है और शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी परेशानी एक बार फिर सामने आई है।

शुभमन गिल समेत ये खिलाड़ी टीम से हुए बाहर

न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी दो वनडे मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में कई बदलाव किए गए हैं। शुभमन गिल टेस्ट सीरीज की तैयारियों पर ध्यान देने के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। उनके अलावा केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी रेड बॉल क्रिकेट की तैयारी के लिए टीम छोड़ चुके हैं। इन खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है।



अब ओपनिंग के दावेदार कौन...

शुभमन गिल के टीम से बाहर होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि चौथे वनडे में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसके लिए ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ दो प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। रोहित शर्मा भी इस दौरे पर अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने सीरीज में अब तक 0 और 23 रन बनाए हैं। ऐसे में अनुभवी बल्लेबाज से इस मुकाबले में बड़ी पारी की उम्मीद होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का चौथा वनडे मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मुकाबला सुबह 7:30 बजे शुरू होगा। भारतीय फैंस की नजरें श्रेयस अय्यर की कप्तानी, रोहित शर्मा की बल्लेबाजी और टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन पर रहेंगी।

दोनों टीमों की स्क्वॉड

न्यूजीलैंड- मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे (विकेटकीपर), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), विल यंग।

भारत-श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकीब नबी, गुरनूर बराड़, रुतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।



डी सिल्वा और मेंडिस के शतक से श्रीलंका संभला

साकिब खान ने 7 विकेट लिए

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले जा रहे पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका पहली पारी में 446 रन पर ऑलआउट हो गया। इस तरह टीम ने पाकिस्तान के 434 रन के जवाब में 12 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की ओर से धनंजय डी सिल्वा ने 167 और कप्तान कुसल मेंडिस ने 119 रन बनाए। पाकिस्तान के साकिब खान ने 7 विकेट लिए।

धनंजय डी सिल्वा और कुसल मेंडिस ने संभाली श्रीलंका की पारी

श्रीलंका ने चौथे दिन अपनी पहली पारी 404/4 के स्कोर से आगे बढ़ाई। धनंजय डी सिल्वा 167 और कुसल मेंडिस 117 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 249 रन की साझेदारी की। धनंजय डी सिल्वा 246 गेंदों पर 167 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 20 चौके शामिल रहे। वहीं, कप्तान कुसल मेंडिस ने 202 गेंदों पर 119 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। इन दोनों के अलावा कामिंदु मेंडिस ने 58 और लाहिरू उदारा ने 42 रन बनाए। श्रीलंका की पूरी टीम 117.2 ओवर में 446 रन बनाकर आउट हुई। पाकिस्तान की ओर से साकिब खान सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 34 ओवर में 130 रन देकर 7 विकेट लिए। मोहम्मद अब्बास को 2 विकेट मिले, जबकि रजाउल्लाह ने एक विकेट हासिल किया।

पाकिस्तान ने पहली पारी में 434 रन बनाए थे

पाकिस्तान ने पहली पारी में 106.3 ओवर में 9 विकेट पर 434 रन बनाकर पारी घोषित की थी। टीम की ओर से सऊद शकील ने सबसे ज्यादा 93 रन बनाए। वह शतक से चूक गए।तैयब आरिफ ने 51 गेंदों पर 57 रन बनाए। मोहम्मद ताहा ने 105 गेंदों पर 51 और आराफात मिन्हास ने 72 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। कप्तान बाबर आजम ने भी 58 गेंदों पर 50 रन बनाए। गाजी घोरी ने 48 रन का योगदान दिया।श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका ने 3-3 विकेट लिए। मिलान रथनायके और सोनल दिनुषा को एक-एक विकेट मिला।

दूसरी पारी में पाकिस्तान ने 45 रन बनाए

श्रीलंका से 12 रन पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने दूसरी पारी शुरू की। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 15 ओवर में एक विकेट पर 45 रन बना लिए थे।तैयब आरिफ 8 गेंदों पर 11 रन बनाकर असिथा फर्नांडो की गेंद पर आउट हुए। अजान अवैस 46 गेंदों पर 20 और मोहम्मद ताहा 36 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद हैं।पाकिस्तान की कुल बढ़त अब 33 रन हो गई है। मैच के पांचवें दिन पाकिस्तान अपनी बढ़त मजबूत करने और श्रीलंका को लक्ष्य देने की कोशिश करेगा।

अब पाकिस्तान से आर-पार की जंग

अफगानिस्तान को हराकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने फाइनल में जगह बना ली है, जहां उसकी टक्कर पाकिस्तान से होगी, जिसने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 9 विकेट से धोया। ओमान के अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने आठ विकेट पर 227 रनों का स्कोर बनाया। इसके जवाब में भारत ने लक्ष्य राजेश रायचंदानी के 93 और आर्यवीर सहवाग के अर्धशतक की बदौलत खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।



भारतीय कप्तान लक्ष्य शतक से चूके

228 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आर्यवीर सहवाग और लक्ष्य ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी हुई। आर्यवीर सहवाग ने 57 गेंद में 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के जड़े। कप्तान लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने 90 गेंद में 93 रन की दमदार पारी खेली लेकिन शतक से चूक गए। राजेश ने अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। वीके विनीत ने 62 गेंद में 57 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चार चौके और इतने ही छक्के लगाए।

अफगानिस्तान ने पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 227 रन बनाए। नोमान सालारजई और शाह फैसल रहमानी ने अफगानिस्तान के लिए सर्वाधिक 51-51 रनों की पारी खेली। इसके आलवा सोहल खान 36 रन बनाकर नाबाद रहे। ईशान ने तीन विकेट चटकाए।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम को सातवें ओवर में पहला झटका लगा। ईशान ने अबिदुल्ला नादरजान को आउट किया। उन्होंने 23 गेंद में 14 रन बनाए। फरीदुल्लाह इहसास 13 रन ही बना पाए। सुभान जखैल ने 44 गेंद में 31 रन की पारी खेली। नोमान सलारजई ने 78 गेंद में 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और इतने ही छक्के लगाए। आमिर हमजा खाता नहीं खोल सके, जबकि ताहिर ने एक रन बनाया। भारतीय अंडर 19 टीम के लिए इशान सूद ने तीन विकेट लिये। आर्यन सवसानी को दो विकेट मिले। काव्य परेश पटेल और अर्जुन राजपूत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत का अंडर-19 एशिया कप 2026 में सफर

भारतीय अंडर-19 टीम ने नेपाल को हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। भारत ने 10 विकेट से जीत हासिल की। इसके बाद टीम लक्ष्य राजेश रायचंदानी के नेतृत्व वाली भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में भारत ने यूएई के खिलाफ 70 रनों से जीत हासिल की। सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

अफगानिस्तान ने जीते तीनों मुकाबले

अफगानिस्तान की टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2026 में अब तक दमदार प्रदर्शन किया है। टीम ने अपने सभी मुकाबले बड़े अंतर से जीते हैं। अफगानिस्तान ने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को 113 रनों से हराया और फिर मलेशिया के खिलाफ 10 विकेट से जीत हासिल की। अपने आखिरी लीग मुकाबले में टीम ने श्रीलंका को 106 रनों से धोया।

17 दिसंबर 2026 से बेंगलुरु में सजेगा टेनिस का महाकुंभ

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टेनिस प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के पांचवें सीजन का आयोजन इस साल दिसंबर में बेंगलुरु में किया जाएगा। चार दिवसीय इस टूर्नामेंट में भारत और विदेश के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोर्ट पर अपना दमखम दिखाएंगे। भारतीय खिलाड़ियों में सुमित नागल, माया राजेश्वरन रेवती और दक्षिणेश्वर सुरेश जैसे नाम शामिल हैं। टूर्नामेंट का आयोजन 17 से 20 दिसंबर तक किया जाएगा। विश्व टेनिस लीग का पांचवां संस्करण 17 दिसंबर से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। इस चार दिवसीय प्रतियोगिता के सभी मुकाबले एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ भारतीय टेनिस सितारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। आयोजकों को उम्मीद है कि इस बार भी दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।



सुमित नागल और माया राजेश्वरन समेत भारतीय खिलाड़ी दिखाएंगे दम

विश्व टेनिस लीग के पांचवें सीजन में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी खास रहने वाली है। सुमित नागल, माया राजेश्वरन रेवती और दक्षिणेश्वर सुरेश जैसे खिलाड़ी एक बार फिर कोर्ट पर नजर आएंगे। इन खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करना अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर होगा। इसके अलावा भारतीय टेनिस फैंस को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलते देखने का मौका मिलेगा।

पाउला बडोसा समेत कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी होंगे शामिल

इस टूर्नामेंट में स्पेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी पाउला बडोसा भी हिस्सा लेंगी। उनके अलावा युकी भांबरी और श्रीवल्ली भामिदिपति जैसे खिलाड़ी भी पिछले सीजन की तरह इस बार अपनी चुनौती पेश करेंगे। पिछले सीजन में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ियों की वापसी से टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी से दर्शकों को कई शानदार मुकाबले देखने को मिल सकते हैं।

भारतीय टेनिस को मिलेगा बड़ा मंच

विश्व टेनिस लीग का पांचवां सीजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अहम मंच साबित हो सकता है। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने से खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा। 17 से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट पर टेनिस प्रेमियों की नजरें रहेंगी। खासतौर पर सुमित नागल और युवा भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखने के लिए फैंस उत्साहित होंगे।

न्यूजीलैंड ने फुटबॉल मैच में भारत को 5-0 से हराया

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय फुटबॉल टीम को पहले इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में 0-5 से हार मिली।ऑकलैंड के गो मीडिया स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले हाफ में ही 3 गोल की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में दो और गोल कर न्यूजीलैंड ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड को पांचवें मिनट में बढ़त मिली, जब भारत के डिफेंडर बिजॉय वर्गीस से गेंद अपने ही गोलपोस्ट में चली गई।इसके बाद जेसी रैंडल ने 34वें और 43वें मिनट में गोल कर न्यूजीलैंड की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में भी न्यूजीलैंड का दबदबा जारी रहा। क्रिस वुड ने 57वें मिनट में गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। इसके बाद 74वें मिनट में लाचलन बेलिस ने पांचवां गोल दागकर भारत की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं। भारतीय गोलकीपर विशाल कैथ ने कई मौकों पर गोल बचाए, लेकिन न्यूजीलैंड के हमलों को रोक नहीं सके।दूसरे हाफ में क्रिस वुड ने गोल कर न्यूजीलैंड की बढ़त 4-0 कर दी। भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच रविवार को क्राइस्टचर्च में खेलेगी। पहले मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम की कोशिश दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की होगी।



प्रीक्वार्टर फाइनल में लक्ष्य और श्रीकांत ने बनाई जगह

जापान (एजेंसी)। कुमामोटो मास्टर्स जापान 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत ने पुरुष सिंगल्स में अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य ने चीनी ताइपे के खिलाड़ी को सीधे गेम में हराया, जबकि पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने डेनमार्क के खिलाड़ी के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराया। यह मुकाबला 49 मिनट तक चला, जिसमें लक्ष्य ने दोनों गेम में शानदार खेल दिखाया। लक्ष्य ने दबाव के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अगले दौर में जगह पक्की की। उनकी इस जीत से टूर्नामेंट में भारतीय उम्मीदों को मजबूती मिली है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। हालांकि, उनका मुकाबला आसान नहीं रहा। डेनमार्क के रासमस गेमके ने पहला गेम 21-18 से जीतकर श्रीकांत पर दबाव बना दिया था।

इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम 21-16 से अपने नाम किया। निर्णायक तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन श्रीकांत ने 24-22 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह मैच कुल 1 घंटे 8 मिनट तक चला।

लक्ष्य सेन के लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम है। हाल ही में हायलो ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्होंने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स की रेस में आठ स्थान की छलांग लगाई और 10वें नंबर पर पहुंच गए। अब लक्ष्य की नजरें टॉप-8 में जगह बनाने पर हैं, ताकि वह सीजन के आखिर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई कर सकें। यह टूर्नामेंट चीन में 9 से 13 दिसंबर तक आयोजित होना है।



मिक्स्ड डबल्स में भारतीय जोड़ियों को मिली हार

पुरुष सिंगल्स में भारत को सफलता मिली, लेकिन मिक्स्ड डबल्स में भारतीय जोड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ध्रुव रावत और मनीषा के की जोड़ी को चीनी ताइपे की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ये होंग वेई और निकोल गोंजालेस चान के खिलाफ 21-16, 14-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।वहीं, तनिषा क्रास्टो और हरिहरन अमसाकरुणन की जोड़ी भी मुकाबला नहीं जीत सकी। उन्हें चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी जियांग झेनबांग और वेई याशिन ने 21-7, 21-9 से सीधे गेम में हराया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन
का की कू घ ड
छ के को हा

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

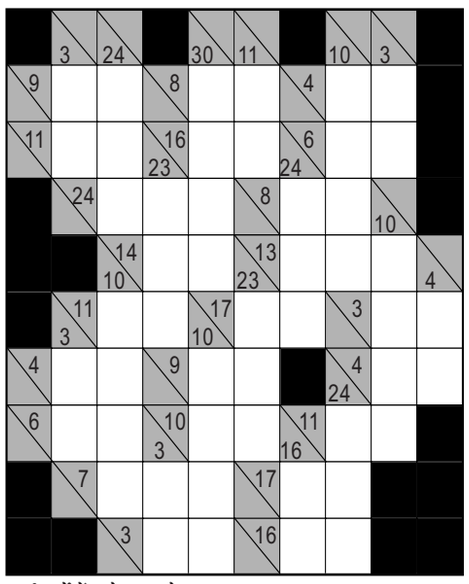
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

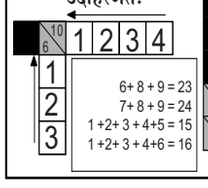
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4066

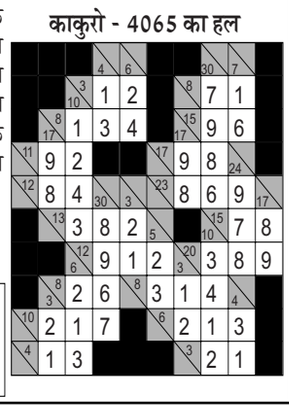


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4065 का हल



हंसी के फव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली- 4066

1		■	2		3	■	4	5	
	■	6		■	7	8			■
9	10	■	11		■		■	12	13
14				■	15			■	
■		■	■	16		■	■	17	
18	■	19		■	20	21			■
22			■	23	■		■		■
	■	24			■	25			■
■	26		■	27	28	■	■	29	
30		■	31			■	32		■

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, खीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, रखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4065

य	स	बॉ	स	■	स	र	फ	रे	श
हू	■	बी	■	ह	त्या	■	रा	जा	■
दी	पा	■	दे	व	■	डो	र	■	अं
■	ल	म्हे	■	स	हे	ली	■	रा	ज
खा	की	■	औ	■	रा	■	अं	ज	लि
मो	■	स	र	ग	म	■	■	पू	■
श	रा	फ	त	■	■	प्रि	य	त	मा
■	■	र	■	मि	ली	■	श	■	ई
रे	टी	■	सू	ल	■	रॉ	■	खे	ल
■	ना	म	■	न	म	की	न	■	व

सूडोकु -4066

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4065 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 4066

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	■	15	■	16	17	
	■		■	18			19	■		■
20	21		22		■	23		24		25
■		■	26				■		■	
27		28		■		■	29			
	■	30	31		32					
33	34	■	35			■		■	36	
37				■	38					

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -4065 का हल

ह	ल	च	ल	■	टा	■	द	वा	खा	ना
■	श्य	■	व	■	ल	क	वा	■	र	ज
ज	■	■	कु	सु	म	■	त	■	■	नी
ब	द	मा	श	■	टो	ना	■	सौ	त	न
र	■	हि	■	फा	ल	■	प्रा	■	न	■
न	ग	र	वा	सी	■	ग	ण	ना	य	क
■	र	■	द	■	मा	ली	■	पा	■	ल
अ	ल	ग	■	म	न	■	चौ	की	दा	र
प	■	■	चि	■	सि	स	की	■	■	व
रा	ज	■	क	न	क	■	दा	■	मे	■
ध	इ	क	न	■	ता	■	री	मा	ला	गू



दिल को सेहतमंद रखने के लिए रोजाना लें अच्छी नींद

नींद न आने वालो के लिए ये हैं कुछ खास टिप्स

क्या आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं? तो फिर आपको अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सावधान होने की खास जरूरत है। यह सुनने में हैरतअंगेज लग सकता है, लेकिन नींद का दिल की बीमारियों से रिश्ता हो सकता है।

जो लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उन्हें दिल की बीमारियों का अधिक खतरा होता है। ये बीमारियां रक्तवाहिनियों अर्थात कार्डियोवेस्कुलर और धमनियों अर्थात कोरोनरी से संबंधित हो सकती हैं। अगर आप इन जोखिमों को कम करना चाहते हैं, तो आपको पर्याप्त समय तक गहरी नींद जरूर लेनी चाहिए।

शोधकर्ताओं के अनुसार, बहुत कम सोने से हमारे स्वास्थ्य और जैविक प्रक्रियाओं पर असर पड़ता है। इससे ग्लूकोज के पाचन में गड़बड़ी आ सकती है, रक्तचाप असामान्य हो सकता है और सूजन की समस्या हो सकती है।

नींद की कमी से उच्च रक्तचाप हो सकता है, तंत्रिका तंत्र की गतिविधि असामान्य हो सकती है और हृदय गति बढ़ सकती है। हालांकि ज्यादा सोने से भी ये समस्याएं हो सकती हैं। जब हम सोते हैं, तब हमारा रक्तचाप कम हो जाता है। लेकिन पर्याप्त नींद नहीं लेने पर रक्तचाप बढ़ने की संभावना रहती है।

ज्यादा कामकाज के बोझ से दिल पर दबाव पड़ता है, जो सेहत के लिए नुकसानदेह है। ऐसी स्थितियां अकसर दिल की बीमारी की ओर ले जाती हैं। अगर नींद सामान्य हो तो रक्तचाप का स्तर भी सामान्य रहेगा।

नींद से वंचित व्यक्तियों में तनाव से जुड़े कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर ऊंचा हो जाता है जो शरीर को खतरे में डालता है, क्योंकि यह वजन और इंसुलिन के स्तर को बढ़ाता है।

एक व्यक्ति को एक दिन में कितना सोना चाहिए? इस सवाल का जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है। लेकिन आमतौर पर हममें से ज्यादातर लोगों को प्रतिदिन सात से आठ घंटे सोने की जरूरत होती है। जो लोग एक दिन में पांच घंटे से भी कम समय तक सोते हैं, उन्हें धमनी से जुड़ी दिल की बीमारियों का जोखिम सामान्य लोगों के मुकाबले 40 फीसदी अधिक होता है।

दरअसल नींद की कमी कोरोनरी धमनियों को प्रभावित करती है, जिससे दिल का दौरा पढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। अपर्याप्त नींद चिडचिडापन, अधीरता, एकाग्रता में बाधा और आक्रामकता की ओर ले जाती है तथा पूरे दिन थकान का एहसास कराती है। वैकल्पिक चिकित्सा में अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नींद को महत्वपूर्ण बताया गया है। वैज्ञानिक सबूत बताते हैं कि नींद की कमी किस प्रकार बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है।



नींद को बेहतर बनाने के उपाय

- अपने वजन को संतुलित बनाए रखें।
- नियमित व्यायाम करें।
- रात को एक गिलास गर्म दूध पिएं (मलाई रहित)
- रात में मसालेदार और तैलीय भोजन करने से पूरी तरह बचें।
- रात में कॉफी और चाय लेने से बचें।
- कैल्शियम सप्लीमेंट लें।
- अनुकूल वातावरण में सोएं और मन को शांत करने वाली दिनचर्या अपनाएं। जैसे- पढ़ना, कैमोमाइल चाय पीना, स्नान करना या मधुर संगीत सुनना।



सर्दियों में त्वचा के अनुसार करें क्रीम का चुनाव

अक्सर लोगों को यह शिकायत रहती है कि महंगी से मंहगी क्रीम लगाने के बाद भी यह तो त्वचा रूखी और बेजान लगती है या फिर जरूरत से ज्यादा ऑयली दिखाई देने लगती है। पर क्या आप जानते हैं इसमें गलती आपकी क्रीम की नहीं बल्कि आपके क्रीम को लेकर किए गए गलत चुनाव की है। जी हां खास बात यह है कि लोगों को यह समस्या सर्दियों के मौसम में ज्यादा परेशान करती है। अगर आप भी सर्दियों में अक्सर यह परेशानी झेलते हैं तो परेशान होने की जगह इस मौसम में सही क्रीम चुनने के लिए ट्राई करें ये शानदार टिप्स।

ड्राई स्किन - ड्राई स्किन में ऑयल की कमी होने की वजह से क्रीम लगाने के बावजूद वो जल्दी ही रूखी नजर आने लगती है। इस तरह की स्किन सर्द मौसम में फटती भी बहुत जल्दी है। इस तरह की त्वचा के लिए क्रीम चुनते समय उसमें हाइड्रेटिंग गुण देखना बिल्कुल न भूलें।

ऑयली स्किन - इस तरह की त्वचा चेहरे पर ऑयल छोड़ती है जिसकी वजह से चेहरा हमेशा चिपचिपा सा लगता है। इस तरह की स्किन पर धूल-मिट्टी लगने से व्यक्ति को पिंपल्स की समस्या अधिक होती है। ऐसे में आपको ऐसी क्रीम का चुनाव करना चाहिए जिसमें जेल, सीरम और कम हाइड्रेटिंग गुण वाली क्रीम का चुनाव करना चाहिए।

सेंसेटिव स्किन - इस तरह की स्किन वाले लोगों को सर्दी के मौसम में इचिंग की समस्या हो सकती है। ऐसे लोगों को खुद के लिए क्रीम का चुवान करते समय बेहद सतर्कता से काम लेना चाहिए वरना इन्हें एलर्जी हो सकती है। सेंसेटिव स्किन वाले लोगों को क्रीम का चुनाव करते समय एंटीऑक्सिडेंट वाली जिसमें खुशबू न हो ऐसी क्रीम का चुनाव करना चाहिए।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



निवान निगम ने किया अपना पहला गाना स्लाइड रिलीज

बॉलीवुड के मशहूर गायक सोनू निगम के बेटे निवान निगम ने भी संगीत की दुनिया में कदम रख दिया है। मात्र 19 साल के निवान निगम ने अपना पहला गाना स्लाइड रिलीज किया है। हाल ही में यह गाना यूट्यूब पर जारी किया गया। बेटे की इस उपलब्धि पर सोनू निगम ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। सोनू निगम ने अपने संदेश में बताया कि निवान ने संगीत की दुनिया में अपने सफर की शुरुआत ऐसे समय में की है, जब परिवार दिवाली का त्योहार मना रहा था। उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने अपने दादा और पिता से अलग रास्ता चुनते हुए अपनी पहचान बनाने की दिशा में पहला कदम बढ़ाया है। सोनू के मुताबिक, एक छोटे बच्चे से आत्मविश्वास से भरे नौजवान तक निवान का सफर परिवार के लिए बेहद खास रहा है। सोनू निगम ने यह भी बताया कि संगीत निवान के लिए बचपन से ही जीवन का हिस्सा रहा है। हालांकि, एक समय ऐसा था जब वह अपने पिता के सामने भी गाना गाने में झिझकते थे। अब स्थिति बदल चुकी है। सोनू के अनुसार, निवान अपने वोकल कोच से गायकी की बारीकियां सीख रहे हैं और नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। उन्होंने बताया कि निवान रोजाना करीब 16 घंटे तक गायकी का अभ्यास कर रहे हैं। सोनू ने अपने संदेश में बेटे की रिकॉर्डिंग से जुड़ी मेहनत का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि निवान संगीत निर्माता पू बेयर के साथ स्टूडियो में काम कर रहे हैं और एक ही टेक में रिकॉर्डिंग पूरी कर रहे हैं। सोनू के लिए यह बदलाव और बेटे का आत्मविश्वास खास मायने रखता है। गायक ने लिखा कि वह आमतौर पर अपने लिए गर्व शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हैं, लेकिन बेटे की उपलब्धि ने पूरे परिवार को खुशियां दी हैं। उन्होंने निवान के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि जब वह साढ़े चार साल के थे, तब उन्होंने मंच पर लाइव गाना अभी मुझ में कहीं गाया था। उस समय भी लोगों ने उन्हें खूब प्यार दिया था। अब सोनू निगम ने बेटे के पहले गाने के लिए भी प्रशंसकों से उसी तरह के स्नेह और समर्थन की उम्मीद जताई है। निवान का डेब्यू उनके लिए संगीत की दुनिया में एक नई शुरुआत है। पिता की पहचान से अलग अपनी राह बनाने की कोशिश में जुटे निवान के सामने अब अपने संगीत और आवाज के दम पर श्रोताओं तक पहुंचने की चुनौती है।

सलमान ने दी गाने में अपनी आवाज

अभिनेता सलमान खान एक बार फिर अपने प्रशंसकों के लिए नया सरप्राइज लेकर आए हैं। हाल ही में रिलीज हुए गाने 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' में उन्होंने अपनी आवाज दी है। इस गाने में सलमान के साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह नजर आ रही हैं। इस ट्रैक की रिकॉर्डिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी सामने आया है। संगीतकार साजिद अली खान के मुताबिक, यह गाना आखिरी समय में तैयार हुआ था। सलमान खान ने अचानक उन्हें फोन किया और गाना रिकॉर्ड करने की इच्छा जताई। साजिद ने बताया कि उन्होंने सलमान से सुबह स्टूडियो आने और रिकॉर्डिंग से पहले कुछ भी खाने-पीने से बचने की बात कही थी, उन्हें सलमान की आवाज में जैज गायकों जैसी भारी और थोड़ी खुरदरी शैली चाहिए थी। साजिद के अनुसार, स्टूडियो में दोनों ने कुछ जैज गाने सुने, जिसके बाद सलमान भी उसी अंदाज में आ गए। उन्हें गाना पहले से याद था, इसलिए रिकॉर्डिंग में ज्यादा समय नहीं लगा।

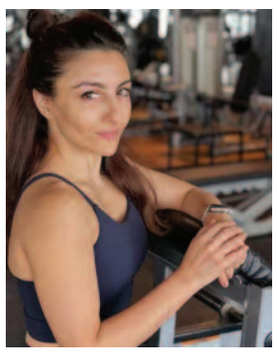


ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए: सोना महापात्रा

हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था - तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है। कहानी कहने का यह तरीका इतना शारीरिक, संगीतमय, मजाकिया और मानवीय है कि मलयालम का हर शब्द समझे बिना भी दर्शक पूरी तरह से इसमें खो जाते हैं। बता दें कि ओट्टनथुल्लल केरल का एक प्रसिद्ध पारंपरिक एकल नृत्य और काव्य-वाचन कला रूप है, जिसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में प्रसिद्ध मलयालम कवि कुंचन नंबियार ने की थी।

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान

45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं।



सोहा ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि फिटनेस का अंतिम लक्ष्य केवल जिम में भारी वजन उठाना, आकर्षक मांसपेशियां बनाना या किसी खास शारीरिक बनावट को प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। इसके बजाय, यह बढ़ती उम्र के साथ भी स्वतंत्र रूप से, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ चलने-फिरने की क्षमता को बनाए रखने के बारे में अधिक है। सोहा ने इस बात पर विशेष बल दिया कि ताकत का सही मायने में संबंध सिर्फ वजन उठाने की क्षमता से नहीं, बल्कि शरीर की समग्र चलने-फिरने की क्षमता और गतिशीलता से भी होता है।



गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की है कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई

बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्स-एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतना-द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आईं। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं।

इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।

मीनाक्षी ने अपनी मातृभाषा तमिल के प्रति व्यक्त किया असीम प्रेम

हाल ही में मशहूर अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी पारिवारिक जड़ों और मातृभाषा तमिल के प्रति असीम प्रेम व्यक्त करते हुए एक विशेष नृत्य रील जारी की है। मीनाक्षी ने तमिल भाषा को समर्पित यह खास नृत्य प्रदर्शन तैयार किया है। इस विशेष रील को उनके प्रशंसकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। मीनाक्षी ने अपने मनमोहक नृत्य भंगिमाओं और भावपूर्ण अभिव्यक्तियों से इस वीडियो में चार चांद लगा दिए हैं। उनके चेहरे पर दिखने वाले भाव नृत्य को एक नई गहराई प्रदान करते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। मीनाक्षी ने अपनी इस पहल के पीछे के भाव को साझा करते हुए कहा कि तमिल उनके परिवार की मातृभाषा है। उन्हें महसूस हुआ कि त्योहारों के इस शुभ मौसम में अपनी भाषा को नृत्य के माध्यम से समर्पित करना एक सुंदर और सार्थक कार्य होगा। उन्होंने सैन जोस, कैलिफ़ोर्निया में गर्मियों के दौरान इस रोमांटिक और खूबसूरत नृत्य रील को फिल्माने के अनुभव को भी अत्यंत शानदार बताया। वीडियो में मीनाक्षी गुलाबी साड़ी में पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आती हैं। उन्होंने गले में स्वर्ण हार, मैचिंग झुमके और चूड़ियां पहनी हुई हैं। उनके केशों में सजे गजरे ने उनके समग्र लुक को और भी आकर्षक बना दिया है, जो भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करता है। मीनाक्षी शेषाद्रि का जन्म झारखंड के वर्तमान धनबाद जिले के सिंदरी में एक तमिल भाषी परिवार में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1981 में प्रतिष्ठित मिस इंडिया का खिताब अपने नाम किया और इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। वह 80 और 90 के दशक की हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और सफल अभिनेत्रियों में से एक रहीं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। उनकी फिल्मोग्राफी में कई यादगार फिल्में शामिल हैं जिन्होंने उन्हें एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1995 में विवाह उपरांत उन्होंने अमेरिका के टेक्सास स्थित डलास में अपना निवास बना लिया। हालांकि, कुछ वर्षों बाद उन्होंने मुंबई लौटकर एक बार फिर अपनी रचनात्मक दुनिया से जुड़ने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनके कला के प्रति असीम प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। अभिनेत्री अक्सर अपने पुराने लोकप्रिय गानों पर आधारित नृत्य रील के माध्यम से उन्हें दोबारा रीक्रिएट करती रहती हैं। इन प्रस्तुतियों के जरिए उनके प्रशंसक उनके नृत्य कौशल और शानदार अंदाज की झलक फिर से देख पाते हैं, जिससे वे लगातार अपने दर्शकों से जुड़ी रहती हैं।





गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर

निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी बताया कि मिर्जापुर की शूटिंग उनके लिए तनावपूर्ण काम नहीं रही। कई वर्षों से इस फ्रेंचाइजी पर साथ काम करने के कारण पूरी टीम के बीच पारिवारिक रिश्ता बन गया है।

उन्होंने शूटिंग के अनुभव को दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाने जैसा बताया। उनके मुताबिक, जब कलाकारों और तकनीकी टीम के सदस्य किसी कहानी से लंबे समय तक जुड़े रहते हैं, तो उनके बीच आपसी समझ और सहजता विकसित हो जाती है। निर्देशक ने कहा कि पूरी टीम ने इस फ्रेंचाइजी के लिए लगातार मेहनत की है। इसलिए जब भी वे इसके नए हिस्से की शूटिंग के लिए मिलते हैं, तो काम का माहौल बोझिल नहीं लगता। सभी लोग कहानी और अपने काम को लेकर उत्साहित रहते हैं। मिर्जापुर ने अपनी कहानी, किरदारों और रोमांच के कारण दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। अब इससे जुड़ी फिल्म को लेकर भी उत्सुकता बनी हुई है।



रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने ट्रंप ने भेजे अपने दो दूत, पुतिन से करेंगे सीधे बात

- इस प्रयास की नींव आबू धाबी में रखी गई, जहां रूस, यूक्रेन-अमेरिकी में हुई थी गुप्त बैठकें

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है। उन्होंने अपने दो प्रमुख दूतों, दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को भेजा है, जहां वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आमने-सामने बातचीत करेंगे। जानकारों के मुताबिक अगले 48 घंटों में होने वाली इन बैठकों से यूरोप में जारी इस युद्ध को रोकने के लिए कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। यह अहम राजनयिक प्रयास रातों-रात शुरू नहीं हुआ। इसकी नींव कुछ दिन पहले आबू धाबी में रखी गई थी, जहां रूस, यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों के बीच दो दिनों तक गुप्त बैठकें हुई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक यह फरवरी के बाद पहला मौका था जब तीनों देशों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर मंथन कर रहे थे। जानकारों ने बताया कि कुशनर और विटकॉफ ने इन बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। आबू धाबी से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अब ये दूत सीधे मॉस्को पहुंच रहे हैं ताकि पुतिन के साथ शांति समझौते के जटिल पेंचों को सुलझाया जा सके। ट्रंप के इन दूतों का क्रेमलिन में सीधा प्रवेश इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि अमेरिका इस युद्ध को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को यात्रा से पहले, जेरेड कुशनर ने अपने बयानों में उम्मीद जताई कि उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच के अनसुलझे मुद्दों पर कुछ सकारात्मक खुले अवसर और उम्मीद की किरणें नजर आ रही हैं। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि अब तक जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ था, उन्हें तोड़ने का कोई रास्ता निकलता दिख रहा है। इस मिशन का एक रणनीतिक पहलू यह भी है कि मॉस्को में पुतिन से बातचीत करने के बाद, ये दोनों अमेरिकी दूत तुरंत आयरलैंड की राजधानी डबलिन जाएंगे। डबलिन में वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की टीम को मॉस्को की बैठक की पूरी जानकारी देंगे और रणनीति पर चर्चा करेंगे।

अमेरिका में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर की अचानक मौत, डेढ़ साल तक ही इस पद पर रहे

- रूसी विदेश मंत्रालय ने डारचीव को राजनयिक, अनुभवी नेता और दयालु सहकर्मी बताया

मास्को,एजेंसी। अमेरिका में रूस के राजदूत अलेक्जेंडर डारचीव (66) की अचानक मौत हो गई। मॉस्को में विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डारचीव इस पद पर केवल डेढ़ साल तक ही रहे। रूसी विदेश मंत्रालय ने डारचीव को एक बेहतरीन राजनयिक, अनुभवी नेता और दयालु सहकर्मी बताया है। उन्हें मार्च 2025 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। हालांकि मॉस्को ने उनकी मौत के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। इससे पहले डारचीव 2014 से 2021 तक कनाडा में रूस के राजदूत रह चुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अलेक्जेंडर डारचीव को पिछले साल अमेरिका में इस पद पर नियुक्त किया गया था। यह समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने के कुछ ही समय बाद का था, और यह उस दौर में हुआ जब यूक्रेन में रूस का सैन्य अभियान चल रहा था, जिसने रूस को पश्चिमी देशों के आमने-सामने लाकर खड़ा कर दिया। डारचीव रूस-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ थे और 2021-2024 के बीच विदेश मंत्रालय के उत्तरी अमेरिकी विभाग के निदेशक रहे। 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो डारचीव ने इस कदम को एक आवश्यक उपाय बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक डारचीव की मौत व्हाइट हाउस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक हफ्ते से भी कम समय बाद हुई है। इस कॉन्फ्रेंस में रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी इलाके में एक अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई थी।

उपराष्ट्रपति का सर्टिफिकेट निकला फर्जी? लताड़ के बाद दिया इस्तीफा



जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। उपराष्ट्रपति गिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी इस इस्तीफे की वजह कोई बड़ा घोटाला या चुनावी हार नहीं, बल्कि उनकी शैक्षणिक योग्यता से जुड़ा एक प्रमाणपत्र है, जिस पर देश की अदालतों ने सवाल उठाए हैं। इस घटनाक्रम ने इंडोनेशिया की राजनीति में एक नया और गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। 39 वर्षीय गिब्रान पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के बेटे हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ उपराष्ट्रपति पद पर जीत हासिल की थी, लेकिन उनकी नियुक्ति और चुनाव लड़ने की पात्रता शुरुआत से ही विवादों में रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालत के फैसलों ने इस विवाद को और गहरा कर दिया है। यह घटना दर्शाती है कि कैसे कभी-कभी एक छोटा सा दस्तावेज भी बड़े राजनीतिक करियर पर भारी पड़ सकता है।

दरअसल, इंडोनेशियाई चुनावी नियमों के अनुसार, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए कम से कम सीनियर हाईस्कूल या उसके समकक्ष की शिक्षा अनिवार्य है। गिब्रान ने अपनी विदेश में की गई पढ़ाई के आधार पर एक समकक्षता प्रमाणपत्र पेश किया था, जिसे चुनावी प्रक्रिया के दौरान उनकी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण के रूप में स्वीकार कर लिया गया था। हालांकि, अब देश की सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालत ने इस प्रमाणपत्र की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालतों ने पाया कि ऐसा कोई पर्याप्त सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि गिब्रान ने निर्धारित शैक्षणिक स्तर की पढ़ाई पूरी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने तो शिक्षा मंत्रालय को उनका यह समकक्षता प्रमाणपत्र तत्काल वापस लेने का भी निर्देश दे दिया, जिसके बाद गिब्रान के उपराष्ट्रपति बने रहने पर कानूनी सवाल खड़े हो गए थे।

इसी गंभीर विवाद के बीच गिब्रान ने बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके एक करीबी सहयोगी ने इस बात की पुष्टि की। बताया गया है कि इस इस्तीफे की औपचारिक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संसद के उच्च सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भी पत्र जमा किया जाना था। नियमों के मुताबिक, संसद को पहले पद खाली घोषित करना होगा, जिसके बाद राष्ट्रपति से उत्तराधिकारी के लिए दो नामों का प्रस्ताव मांगा जाएगा और फिर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराना होगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए करीब 120 सांसदों ने गिब्रान को पद से हटाने की मांग करते हुए महाभियोग की याचिका भी सौंप दी थी। उनका तर्क था कि शैक्षणिक योग्यता की शर्त पूरी नहीं होने के कारण गिब्रान अब इस संवैधानिक पद के योग्य नहीं हैं।

इजरायल में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, मची अफरा-तफरी जान बचाकर भागे लोग

- रतन एयरपोर्ट के टूटे खिड़की के कांच, यात्रियों को कर्मचारियों को निकाला बाहर

तेलअवीव,एजेंसी। इजराइल के दक्षिणी तटीय शहर ईलात और लाल सागर के इलाकों में बुधवार को 4.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके लगे। झटके लगते ही लोगों और पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से रमन एयरपोर्ट को तुरंत खाली करा लिया गया और कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। इसमें किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इजराइल के जियोलॉजिकल सर्वे के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी सिनाई में ताबा के पास था, जो इजराइल सीमा से करीब 224 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी गहराई जमीन से 8 किलोमीटर नीचे बताई गई थी। केंद्र सीमा के पास होने के कारण इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही दक्षिणी इजराइल के कई इलाकों में तुरंत अलर्ट सिस्टम सक्रिय हो गया और खतरे के सायरन बजने लगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का सबसे ज्यादा असर ईलात के पास स्थित रमन एयरपोर्ट पर हुआ। जैसे ही भूकंप का अलर्ट मिला, एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और टर्मिनल को खाली करवा लिया। एयरपोर्ट के अंदर कुछ जगहों पर कांच टूटने की खबरें भी सामने आईं, लेकिन सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। इजराइली रक्षा बलों ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस भूकंप ने इजराइल के इतिहास में आए 1927 के भयानक भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें करीब 300 लोग मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सीरियाई-अफ्रीकी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हर सौ साल के बाद एक शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है।

पाकिस्तान पर हुए दो बड़े हमले, 10 पुलिसकर्मियों की मौत, कई गाड़ियां जलाई

- बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने मुख्य पुल को बम से उड़ाया

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान पर एक ही दिन में हुए दो बड़े हमलों ने सुरक्षा व्यवस्था और अशांति की पोल खोल दी है। खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हमला कर दिया। इस हमले में डीएसपी हैदर जमान और सब-इंस्पेक्टर मुख्तियार समेत 10 पुलिसकर्मी मारे गए और उनकी गाड़ियां जला दी गईं। वहीं, बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने एक मुख्य पुल को बम से उड़ा दिया, जिससे देश की प्रमुख व्यापारिक और रणनीतिक नसें कट गईं। रिपोर्ट के मुताबिक कोहाट में यह हमला गुंबत इलाके के पास हुआ, जब पुलिस अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने जा रही थी। टीटीपी के आतंकवादियों ने पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर मोर्चा संभाल कर पुलिस काफिले पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। ऊंचाई का फायदा उठाकर आतंकियों ने पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। हमले में पुलिस की पांच मोबाइल गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं और 10 पुलिसकर्मी मौत के शिकार हो गए। इस घटना के बाद पूरे गुंबत इलाके में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। बता दें इससे पहले बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के खाडकोचा इलाके में बलूच अलगाववादी विद्रोहियों ने क्वेटा और करांची को जोड़ने वाले मुख्य नेशनल हाईवे पर एक अहम पुल को बम से उड़ा दिया। यह पुल पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और सैन्य लॉजिस्टिक्स के लिए अत्यधिक अहम था। पुल के ध्वस्त होते ही दोनों बड़े शहरों के बीच का सड़क संपर्क ठप हो गया, जिससे सड़कों पर वाहनों की मीलों लंबी कतारें लग गईं। यह हमला बलूच विद्रोहियों द्वारा पाकिस्तानी सेना को सीधी चुनौती देने का प्रतीक है। इस पुल के टूटने के गहरे राजनीतिक और रणनीतिक मायने हैं। क्वेटा बलूचिस्तान की राजधानी है और करांची पाकिस्तान का सबसे बड़ा वाणिज्यिक केंद्र और बंदरगाह है।

चुनावी चंदा जुटाने में भारतीय और अमेरिकी नेताओं में रो खन्ना सबसे आगे रहे

कई मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति अलग रही, कुछ पर था कर्ज का बोझ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच चुनावी चंदा जुटाने के मामले में कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सबसे आगे निकलकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। एफईसी के रिकॉर्ड की समीक्षा से पता चला है कि उनके चुनावी अभियान के पास वर्तमान में 1.66 करोड़ डॉलर की नकद राशि है और उन पर कोई कर्ज नहीं है। यह राशि न केवल प्रभावशाली है, बल्कि आठ भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्यों और नवनिर्वाचित सदस्यों में सबसे अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना की यह वित्तीय स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उनके पास मौजूद नकद राशि अन्य सात भारतीय-अमेरिकी सांसदों और नवनिर्वाचित सदस्यों की संयुक्त राशि करीब 1.11 करोड़ डॉलर से भी ज्यादा है। उनके अभियान सूत्रों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक 2026 के चुनावी चक्र के दौरान उन्हें 1.53 करोड़ डॉलर मिले और 95 लाख डॉलर खर्च किए गए। यह दर्शाता है कि उनके अभियान की कुल नकद शेष राशि उनकी कुल प्राप्तियों से भी ज्यादा थी, जो कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रतीक है।

वहीं अन्य मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति भी विभिन्न रही। वाशिंगटन से प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने 17.5 लाख डॉलर नकद राशि होने की जानकारी दी और उन पर कोई कर्ज नहीं था। कैलिफोर्निया के एमी बेरा के पास 16.5 लाख डॉलर की नकद राशि थी, लेकिन उन पर 80,000 डॉलर का कर्ज था। वहीं, वर्जीनिया के सुहास सुब्रमण्यम ने करीब 7.46 लाख डॉलर नकद राशि होने की सूचना दी और उन पर भी कर्ज नहीं था। इन सांसदों के अभियानों को चुनावी चक्र के दौरान अच्छी खासी राशि मिली और खर्च भी किया।

नवनिर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सदस्यों के पास चुनाव जीतने से पहले अपेक्षाकृत कम नकद भंडार था, जो उनकी शुरूआती अवस्था को दर्शाता है। एरिजोना के प्रथम कांग्रेसनल जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली को हराने वाले अमीश शाह ने 14 अक्टूबर तक 57 लाख डॉलर की प्राप्ति और 55 लाख डॉलर के खर्च की सूचना दी। उनके पास करीब 2.06 लाख डॉलर शेष थे और करीब 37,000 डॉलर का कर्ज था। फ्लोरिडा के 22वें जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी असकर को पराजित करने वाली पिया दाडिया के अभियान के पास करीब 7.35 लाख डॉलर नकद राशि थी और 2.47 लाख डॉलर का कर्ज था। उनके प्रतिद्वंद्वी असकर ने स्वयं के ऋण समेत 74 लाख डॉलर प्राप्त किए, लेकिन उनके अभियान पर 62.9 लाख डॉलर का बड़ा कर्ज बना रहा।

कुछ अन्य भारतीय-अमेरिकी सांसदों के चुनावी वित्त की स्थिति जटिल रही। थानेदार के पास 30 सितंबर तक 59 लाख डॉलर की नकद राशि थी, जो दूसरी सबसे बड़ी राशि थी, लेकिन उनके अभियान पर 1.444 करोड़ डॉलर का भारी कर्ज भी था, जो उनकी नकद राशि से काफी ज्यादा है। राजा



कृष्णमूर्ति के हाउस अभियान खाते में 30 सितंबर तक करीब 47,000 डॉलर और सीनेट अभियान खाते में करीब 33,000 डॉलर मौजूद थे। उनके सीनेट अभियान ने 3.16 करोड़ डॉलर हासिल किए, जिसमें अन्य अधिकृत समितियों से प्राप्त 1.94 करोड़ डॉलर के ट्रांसफर भी शामिल थे। चुनावी फंड जुटाने की तुलना करते समय ऐसे ट्रांसफर को ध्यान में रखना अहम होता है ताकि एक ही धनराशि की दोहरी गणना से बचा जा सके। कुल मिलाकर भारतीय-अमेरिकी राजनेताओं के बीच चुनावी चंदा जुटाने का परिदृश्य रो खन्ना की प्रभावशाली बढ़त और अन्य के लिए अलग-अलग वित्तीय चुनौतियों को दर्शाता है।

मेलोनी की कार में बम और स्कूलों को मिली धमकी से मचा हड़कंप



रोम, एजेंसी। इटली में 11 नवंबर का दिन उस समय दहशत भरा साबित हुआ, जब देशभर के कम से कम 300 स्कूलों को अचानक अजीबो-गरीब ईमेल्स मिलने लगे। इन ईमेल्स में स्कूलों में भीषण बम धमाके करने और इटली के लोगों के खिलाफ हिंसा फैलाने जैसी खौफनाक धमकियां दी गई थीं। इन धमकियों ने न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि सीधे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। ईमेल मिलते ही देश के 300 से ज्यादा स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा खुफिया एजेंसियां सभी कैंपसों की तलाशी में जुट गईं। धमकी में कहा गया था कि पीएम मेलोनी की कार में बम है।

इन धमकी भरे ईमेल्स में इटली के लोगों के 'नरसंहार' और हिंसा फैलाने की बात कही गई थी। मैसेज में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों के अंदर एक 'पावरफुल विस्फोटक डिवाइस' रखी गई है, जिसे दूर बैठे ही रिमोट कंट्रोल से उड़ाया जा सकता है। इन धमकियों का दायरा केवल स्कूलों और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम सीधे तौर पर शामिल करते हुए लिखा गया था कि 'एक बम पीएम मेलोनी की कार के इंजन में भी फिट कर दिया गया है'। एक साथ देशभर के सैकड़ों स्कूलों और देश की प्रधानमंत्री को ऐसी सीधी धमकी मिलने से पूरी इतालवी सरकार में हड़कंप मच गया। स्कूलों और प्रशासन को भेजे गए इन सभी ईमेल्स के नीचे एक ही नाम लिखा हुआ था, 'मिखाइल एंड्रोपॉव, विलायत ऑफ मिसोगिनिस्तान का नेता'। हालांकि, इतालवी अधिकारियों के अनुसार, इस नाम या संस्था का कोई स्वतंत्र सत्यापन अभी तक नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है। पिछले हफ्ते ही यूरोप के अन्य देशों, जैसे आयरलैंड और बुल्गारिया के मीडिया संस्थानों को भी इसी नाम से ऐसे ही धमकी भरे ईमेल्स मिले थे। एक ही नाम और एक ही भाषा के बार-बार इस्तेमाल से यह अंदेशा जताया जा रहा है कि यह यूरोप भर में डर फैलाने का एक बड़ा और सुनियोजित नेटवर्क हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इटली सरकार के मंत्री तुरंत हरकत में आ गए। इटली के शिक्षा मंत्री जुसेपे वालदितारा ने बताया कि देशभर में लगभग 300 धमकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'यह साफ नजर आ रहा है कि इसके पीछे एक सोची-समझी रणनीति काम कर रही है'।

वॉर मेमोरियल में फोटो खिंचवा रहे थे अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ

हंसते ही सियोरिटी गार्ड ने लगा दी फटकार...पत्नी भी थी साथ, वीडियो वायरल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ चर्चा में बने हुए हैं। महाभियोग से बचने के बाद अब वो एक नए विवाद में फंस गए हैं। दरअसल हेगसेथ अपने स्टाफ के साथ वेटरन्स डे समारोह पर वर्जीनिया स्थित आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री पहुंचे थे। यहां उन्हें एक सिक्योरिटी गार्ड ने फटकार लगा दी। आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री का एक वीडियो सामने आया है जिसमें पीट हेगसेथ टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर के सामने सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार तमी राडाबाग भी नजर आए।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तस्वीर खिंचवाने के बाद जैसे ही ये ग्रुप आगे बढ़ा, वहां किसी की जोर से हंसने की आवाज सुनाई दी। इसी दौरान मकबरे पर सुरक्षा में तैनात एक सैनिक ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के सलाहकारों और स्टाफ के ग्रुप को फटकार लगा दी। सैनिक ने सख्त लहजे में कहा कि सभी टूरिस्ट हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखेंगे। इस मामले पर पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता सीन पार्नेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर दिन को मनाते समय, एक सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को मर्यादा बनाए रखने की याद दिलाई। रक्षा मंत्री और पूरे विभाग ने अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए हमारे सैन्य पुरुषों और महिलाओं के दिए गए बलिदानों का हमेशा सम्मान किया है और हमेशा करते रहेंगे।

बता दें यह मकबरा अमेरिका के सबसे पवित्र युद्ध स्मारकों में से एक है, जहां प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध के अज्ञात सैनिकों के अवशेष हैं। साल 1948 से सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान हर मौसम में चौबीसों घंटे इसकी पहरेदारी करते हैं। वेटरन्स डे के कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी शामिल हुए थे।

एक दिन पहले ही हेगसेथ अमरीकी कांग्रेस में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव से बाल-बाल बचे थे। रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी के लाए गए और डेमोक्रेट्स द्वारा समर्थित इस प्रस्ताव को मंगलवार को रोक दिया गया था। हालांकि, जनवरी 2027 में संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होने के बाद उन पर फिर से महाभियोग का खतरा मंडरा सकता है।

अवैध संबंध से बच्चे को जन्म देने पर महिला को मिली 100 कोड़ों की सजा

दुबई , एजेंसी। रोजी-रोटी की तलाश में अपना देश छोड़कर हजारों किलोमीटर दूर सऊदी अरब पहुंची केन्याई महिला एस्थर वांजा मुथोनी को वहां एक मिस्री शख्स के साथ शादी के बाहर संबंध बनाने और एक बच्चे को जन्म देने के मामले में 100 कोड़ों की सजा सुनाई गई है। सऊदी अरब में घरेलू कामगार के तौर पर काम कर रही मुथोनी की जिंदगी तब एक अनचाहे तूफान से घिर गई, जब बच्चे के जन्म के बाद यह मामला अथॉरिटीज तक पहुंच गया। वह हाउसकीपर और नैनी का काम करती थी और किसी तरह अपनी जिंदगी चला रही थी। एस्थर वांजा मुथोनी का इसी दौरान एक मिस्री शख्स से रिश्ता बना और वह गर्भवती हो गईं। उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया। समस्या तब शुरू हुई जब मुथोनी ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। सऊदी अरब के कानून के तहत, अस्पतालों को शादी के बाहर बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं की जानकारी अधिकारियों को देना अनिवार्य होता है।

डेमोक्रेटिक के दिग्गज सांसदों ने ईरान युद्ध को खत्म करने का बनाया दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े सैन्य दिग्गज सांसदों और हाल ही में निर्वाचित उनके सहयोगियों ने ईरान युद्ध को खत्म करने की मांग की है। वहीं उनकी पार्टी ने वेटरन्स डे के अवसर पर सैन्य कर्मियों के लिए ज्यादा मजबूत सुरक्षा उपायों और पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य सेवा लाभों तक व्यापक पहुंच की वकालत की है। पेंसिल्वेनिया से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि और इराक युद्ध के पूर्व सैनिक क्रिस डेलूजियो ने युद्ध खत्म करने और पूर्व सैनिकों के साथ खड़े होने की अपील के तहत संयुक्त बयान की घोषणा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन और पार्टी की वेटरन्स एंड मिलिट्री फैमिलीज काउंसिल के सह-अध्यक्ष ऑटो ली और मार्ज हॉफा ने कहा कि सैन्य सेवा का सम्मान करने का अर्थ उन फैसलों की समीक्षा करना है, जो सैनिकों को खतरे में डालते हैं। उन्होंने संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के साथ-साथ जीवनयापन की लागत कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने और सैन्य परिवारों की सुरक्षा मजबूत करने का संकल्प लिया। सीनेटर टैमी डकवर्थ ने कांग्रेस से ईरान युद्ध के दौरान विषैले पदार्थों के संपर्क में आए पूर्व सैनिकों के लिए सुरक्षा प्रावधानों का विस्तार करने वाला कानून पारित करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सांसद टैमी डकवर्थ ने कहा कि उनका प्रस्तावित न्यू पैक्ट फॉर ईरान वेटरन्स एक्ट उन कमियों को दूर करेगा, जिनकी वजह से युद्ध से लौटे सैन्यकर्मियों को स्वास्थ्य सेवाएं और लाभ पाने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। उनके कार्यालय के मुताबिक यह प्रस्ताव ईरान में सेवा देने वाले सैनिकों, जिनमें उसके वायुक्षेत्र और क्षेत्रीय जलक्षेत्र में तैनात कर्मी भी शामिल हैं, के लिए विषैले पदार्थों के संपर्क में आने की कानूनी मान्यता स्थापित करेगा।

डकवर्थ ने कहा कि किसी भी सैनिक को विदेश में युद्ध लड़ने के बाद घर लौटकर उस देखभाल और सुविधाओं के लिए दूसरी लड़ाई नहीं लड़नी चाहिए, जिसके वे अपनी सेवा के आधार पर हकदार हैं। यह प्रस्ताव फिलहाल विधायी प्रक्रिया में है। वेटरन्स डे पर उनकी अपील का उद्देश्य कांग्रेस से इसे पारित कराने का समर्थन जुटाना था, न कि यह घोषणा करना कि ये अतिरिक्त सुरक्षा उपाय पहले ही लागू हो चुके हैं। इस बीच ट्रंप की पूर्व सैनिकों के समर्थन संबंधी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आर्लिंग्टन नेशनल सेमेट्री में अपने संबोधन में कहा कि जब तक मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति हूं, हम हमेशा उनके प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)